

ए बात म सहमती हवय कदिरसन के
ए कतिाब ला यीसू के चेला, यूहन्ना ह
लखि हवय। ए कतिाब ह ओ समय लखि
गीस जब मसीहीमन यीसू मसीह म अपन
बसिवास के खातरि सताय जावत रहिनि। ए
कतिाब ला लखि के खास उदेस्य ए रहिसि
की एला पढ़इयामन दुःख-तकलीफ अऊ
सतावा के समय यीसू ऊपर अपन बसिवास
ला बनाय रखंय। ए कतिाब म जादा बात
दरसन म हवय, जऊन ला प्रतिकात्मक
भासा म लखि गे हवय। ए बात संभव हवय
की ए प्रतिकात्मक भासा ला ओ समय
के मसीहीमन समझत रहिनि, पर आने
जम्मो मनखेमन बर एह भेद के बात रहिसि।
कतिाब के लखिइया ह अलग-अलग दरसन
के माला म बसिय ला अलग-अलग तरिका
ले दुहराय हवय। हालाकी अलग-अलग
मनखेमन ए कतिाब म लखि बात के अलग-
अलग मतलब नकिारथें, पर खास बसिय ह
साफ हवय: परमेसर ह परभू यीसू मसीह के
दुवारा अपन जम्मो बईरीमन ला, सैतान ला
घलो पूरा-पूरी सदाकाल बर नास कर दही
अऊ आखरी बजिय के बाद, ओह अपन
बसिवास लइक मनखेमन ला एक नवां
धरती अऊ नवां अकास के रूप म आससि
दही।

ए कतिाब ला खाल्हे लखि भाग म बांटे जा
सकथे।

भूमिका 1:1-3

सुरूआती दरसन अऊ सात कलीसयामन ला
अलग-अलग चिट्ठी 1:4-3:22

सात मुहर म बंद कतिाब 4:1-8:1

सात तुरही 8:2-11:19

सांप के सहीं पसु अऊ दू जंगली पसु 12-13
आने दरसनमन 14-15

परमेसर के कोरोध के सात कटोरा 16

बाबूल सहर, जंगली पसु, लबरा

अगमजानीमन के बनिास अऊ सैतान के हार
17:1-20:10

आखरी नियाय 20:11-15

नवां अकास, नवां धरती अऊ नवां यरूसलेम
21:1-22:5

सार 22:6-21

1 ए कतिाब ह यीसू मसीह के दबिय
परकासन के बारे म अय, जऊन
ला परमेसर ह ओला दीस की ओह अपन
सेवकमन ला नकिट भवसिय म होवइया
घटनामन ला देखावय। मसीह ह अपन
स्वरगदूत ला पठोके ए दबिय परकासन के
बात ला अपन सेवक यूहन्ना ला बताईस।
2 यूहन्ना ओ जम्मो बात के गवाही देवत
हवय, जऊन ला ओह देखिसि—की एह
परमेसर के संदेस अऊ यीसू मसीह के
बताय सचर्चई ए। 3 ओ मनखे ह आससि
पाही, जऊन ह ए अगमबानी के बचन ला
पढ़थे अऊ ओमन आससि पाहीं, जऊन मन
एला सुनथें अऊ एम लखि बात ला मानथें,
काबरकी ए बातमन के पूरा होय के समय ह
लकठा आ गे हवय।

सात कलीसयामन बर संदेस

4 में यूहन्ना ह एसिया प्रदेस के सात
कलीसिया के मनखेमन ला ए बात लखित
हंव।

परमेसर जऊन ह हवय, जऊन ह रहिसि,
अऊ जऊन ह अवइया हवय; अऊ ओकर
सधिसन के आघू म हाजरि सात आतमामन,
5 अऊ यीसू मसीह, जऊन ह बसिवास लइक
गवाह ए, अऊ मरे म ले जी उठे म पहिलांत ए
अऊ संसार म राजामन ऊपर राज करथे—ए
जम्मो के तरफ ले तुमन ला अनुग्रह अऊ
सांती मिलिय।

यीसू, जऊन ह हमन ला मया करथे अऊ
हमन ला अपन लहू के दुवारा हमर पाप
ले छुटकारा दे हवय, 6 अऊ हमन ला एक
देस अऊ पुरोहित बनाय हवय, ताकी हमन
ओकर परमेसर अऊ ददा के सेवा करन—ओ
यीसू के महिमा अऊ सामरथ जुग-जुग होवय!
आमीन।

7 देखव, ओह बादर ऊपर आवत हवय,

अऊ जम्मो झन ओला देखहीं,

जऊन मन ओला छेदे-बेधे रहिनि, ओमन
घलो ओला देखहीं;

अऊ संसार के जम्मो मनखेमन ओकर
बर सोक मनाहीं।

अइसने ही होही! आमीन॥

8परभू परमेसर ह कहथि, “मेंह सुरू
(अल्फा) अऊ मेंह अंत (ओमेगा) अंव। मेंह
ओ सर्वसकृत्मान अंव, जऊन ह हवय,
अऊ जऊन ह रहिसि अऊ जऊन ह अवइया
हवय॥”

मसीह के दरसन

9मेंह तुम्हर भाई यूहन्ना अंव अऊ यीसू
के दुःख, परमेसर के राज अऊ धीरज सहति
सहन करे म तुम्हर संग भागीदार अंव।
परमेसर के बचन अऊ यीसू के बारे म गवाही
देय के कारन मेंह पतमुस नांव के टापू म बंदी
रहेंव। 10परभू के दिन, मेंह पबतिर आतमा ले
भर गेंव अऊ मेंह अपन पाछू कोर्ता तुरही के
सही एक ऊंचहा अवाज सुनेव, 11जऊन ह ए
कहसि: “जऊन कुछू तेंह देखत हवस, ओला
एक ठन कतिब म लिख अऊ ओला सात
कलीसिया—इफसिस, स्मुरना, परिगमुन,
थुआतीरा, सरदीस, फलिडेलफिया अऊ
लौदीकिया ला पठो दे।”

12जऊन ह मोर ले गोठियावत रहय, ओला
देखे बर जब मेंह पाछू कोर्ता कजिरेंव, त
मोला दीया ला मढ़ाय के सात ठन सोन के
दीवट दखिसि, 13अऊ दीवटमन के मांझा म
मनखे के बेटा सही एक इन मनखे ला देखेंव,
जऊन ह गोड़ तक लम्बा पोसाक पहिर
रहय अऊ ओकर छाती ऊपर चौरस सोन
के फीता रहय। 14ओकर मुड़ अऊ चुंदी ह
ऊन अऊ बरफ सही एकदम पंडरा रहय अऊ
ओकर आंखीमन धधकत आगी सही रहिनि।
15ओकर गोड़मन भट्ठी म तपिय पीतल
सही चमकत रहय अऊ ओकर अवाज ह
गरजत पानी सही रहय। 16ओह अपन जेवनी
हांथ म सात ठन तारामन ला धरे रहय अऊ
ओकर मुहू ले एक ठन चोक दूधारी तलवार
ह नकिरत रहय। ओकर चेहरा ह अइसने

चमकत रहय, जइसने सूरज ह भरे मंझनियां
के बखत चमकथे।

17जब मेंह ओला देखेंव, त मरे मनखे सही
ओकर गोड़ करा गरि पड़ेंव। तब ओह अपन
जेवनी हांथ ला मोर ऊपर रखके कहसि:
“इन डर्रा। मेंहीच ह पहिली अऊ आखरी
अंव। 18मेंह जीयत हवंव। मेंह मर गे रहेंव,
पर देख, अब मेंह सदाकाल बर जीयत हवंव।
अऊ मोर करा मरितू अऊ मरे मनखेमन के
संसार ऊपर अधिकार हवय।

19एकरसेति, जऊन कुछू तेंह देखे हवस,
जऊन ह अभी होवत हवय, अऊ जऊन ह
एकर बाद होवइया हवय, ओ जम्मो बात
ला लिख ले। 20जऊन सात ठन तारा, तेंह
मोर जेवनी हांथ म देखे, ओ सातों तारा अऊ
सोन के सात दीवटमन के मतलब ए अय:
ओ सात तारामन सात ठन कलीसिया के
दूत अय, अऊ ओ सात दीवटमन सात ठन
कलीसिया अय।”

इफसिस के कलीसिया ला संदेश

2 “इफसिस के कलीसिया के दूत ला ए
लिख:

जऊन ह जेवनी हांथ म सात ठन तारा
धरे हवय अऊ सोन के सात ठन दीवट
के बीच म चलते-फरिते, ओकर ए बचन
अय: 2मेंह तुम्हर काम, तुम्हर कठोर
महिनत अऊ तुम्हर धीरज ला जानत
हंव। मेंह जानत हंव कि तुमन दुस्त
मनखेमन ला सहे नई सकव। जऊन मन
अपन-आप ला प्रेरित कहथिं, पर हवय
नई, तुमन ओमन ला परखे हवव अऊ
ओमन ला लबरा पाय हवव। 3तुमन
धीरज धरे हवव; मोर खातिर तुमन दुःख
सहे हवव अऊ हम्मत नई हारे हवव।

4तभो ले मेंह तुम्हर बरिध म, ए
कहत हंव: तुमन अब मोला वइसने मया
नई करव, जइसने पहिली करत रहेव।
5सोचव कि तुमन कतेक गरि गे हवव।
पछताप करव अऊ ओ काम करव,
जऊन ला तुमन पहिली करत रहेव। यर्दा
तुमन पछताप नई करहू, त मेंह तुम्हर

करा आके तुम्हर दीवट ला ओकर जगह ले टार दूहूँ। 6पर तुमन म एक बने बात ए हवय की मोर सहीं, तुमन घलो नीकुलईमन के काम ले घनि करथवट।

7जेकर कान हवय, ओह सुन ले की पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का कहथि। जऊन ह बजियी होही, ओला मेंह जनिगी के रूख के फर खाय बर अधिकार दूहूँ, जऊन ह परमेसर के स्वरग-लोक के बगीचा म हवय।”

समुरना के कलीसिया ला संदेस

8“समुरना के कलीसिया के दूत ला ए लिखि:

जऊन ह पहिली अऊ आखरी ए, जऊन ह मर गे रहिसि अऊ फेर जी उठसि, ओकर ए बचन अय: 9मेंह तुम्हर दुःख-तकलीफ अऊ तुम्हर गरीबी ला जानथंव—तभो ले तुमन धनवान अव! मेंह जानथंव की ओमन तुम्हर बदनामी करथें, जऊन मन अपन-आप ला यहूदी कहथि, पर हवय नई। ओमन सैतान के सभा-घर अय। 10तुम्हर ऊपर जऊन दुःख-तकलीफ अवइया हवय, ओकर ले झन डर्रावव। मेंह तुमन ला बतावत हंव, सैतान ह तुमन ला परखे बर, तुमन ले कतको झन ला जेल म डारही, अऊ तुमन दस दिन तक दुःख भोगहू। मरते दम तक मोर बसिवासी रहव अऊ मेंह तुमन ला जनिगी के मुकुट दूहूँ। 11जेकर कान हवय, ओह सुन ले की पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का कहथि। जऊन ह बजियी होही, ओला दूसरा मरितू ले कोनो नुकसान नई होवय।”

परिगमुन के कलीसिया ला संदेस

12“परिगमुन के कलीसिया के दूत ला ए लिखि:

जेकर करा तेज दूधारी तलवार हवय, ओकर ए बचन अय: 13मेंह जानथंव की तेंह कहाँ रहथिस; तेंह उहाँ रहथिस, जहिाँ सैतान के संधासन हवय! तभो ले

तेंह मोर ऊपर अपन बसिवास म स्थिरि हवस। तेंह ओ दिन म घलो मोर ऊपर अपन बसिवास ला नई तयिगे, जब मोर बसिवास लइक गवाह अन्तपास ह तुम्हर सहर म मारे गीस—जहिाँ सैतान रहथि।

14तभो ले, मोर करा तुम्हर बरिध म कहे बर कुछू हवय: तुम्हर बीच म कुछू मनखेमन हवय, जऊन मन बलाम के सकिछा ला मानथें। बलाम ह बालाक ला सखिओ रहिसि की ओह इसरायलीमन ला ठोकर के रसता म ले जावय, ताकी ओमन मूरती ऊपर चघाय चीज ला खावय अऊ छिनारी करय। 15तुम्हर बीच म कुछू अइसने मनखेमन घलो हवय, जऊन मन नीकुलईमन के सकिछा ला मानथें। 16एकरसेति, पछताप करव; नई त मेंह तुम्हर करा जल्दी आहूँ अऊ अपन मुहूँ के तलवार ले ओमन के बरिध म लइहूँ।

17जेकर कान हवय, ओह सुन ले की पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का कहथि। जऊन ह बजियी होही, ओला मेंह लुकाय मन्ना म ले कुछू दूहूँ। मेंह ओला एक ठन सफेद पथरा घलो दूहूँ, जऊन म एक नवाँ नांव लिखाय होही, जेला सरिपि ओहीच जानही, जऊन ह ओला पाही।”

थुआतीरा के कलीसिया ला संदेस

18“थुआतीरा के कलीसिया के दूत ला एक लिखि:

एह परमेसर के बेटा के बचन ए, जेकर आंखी ह धधकत आगी सहीं हवय अऊ जेकर गोड़मन पालीस करे पीतल सहीं चमकत हवय। 19मेंह तुम्हर काम, तुम्हर मया, तुम्हर बसिवास, तुम्हर सेवा अऊ तुम्हर धीरज ला जानत हंव। मेंह ए घलो जानत हंव की तुम्हर अभी के काम ह पहिली के काम ले बढ़ के हवय।

20तभो ले मोला तुम्हर बरिध म ए

कहना हवय: तुमन ओ माईलोगन—
इजेबेल ला कुछू नई कहव, जऊन ह
अपन-आप ला अगमजानी कहथि अऊ
अपन सकिछा के दुवारा मोर सेवकमन
ला छिनारी करे बर अऊ मूरती ऊपर
चघाय चीजमन ला खाय बर बहकाथे।
21मेंह ओला अपन पाप ले पछताप करे
के मऊका देय हवंव, पर ओह पछताप
नई करे चाहथे। 22एकरसेति, मेंह ओला
तकलीफ म डालहूं अऊ जऊन मन
ओकर संग छिनारी करथें, कहूं ओमन
अपन पाप ला छोड़के पछताप नई
करहीं, त मेंह ओमन ऊपर घोर दुःख-
तकलीफ डालहूं। 23मेंह ओ माईलोगन
के लइकामन ला मार डालहूं। तब जम्मो
कलीसियामन जान लहीं कि मेंह ओ
अंव, जऊन ह मनखे के हरिदय अऊ मन
ला जांचथे, अऊ मेंह तुमन ले हर एक ला
तुम्हर काम के मुताबिक परतफिल दूहूं।

24अब थुआतीरा के ओ बांचे
मनखेमन, जऊन मन ओ माईलोगन के
सकिछा ला नई मानव अऊ ओ बात ला
नई सखिव, जऊन ला कुछू मनखेमन
सैतान के गहरिा भेद कहथि, मेंह तुमन
ला कहत हंव कि मेंह तुम्हर ऊपर अऊ
कोनो आने बोझ नई डालंव। 25पर
जऊन सकिछा तुम्हर करा हवय, मोर
आवत तक सरिपि ओहीच म चलव।

26जऊन ह बजियी होही, अऊ मोर
ईछा मुताबिक आखरि तक चलते
रहहीं, मेंह ओला जम्मो जाती के
मनखे ऊपर अधिकार दूहूं। 27‘ओह
ओमन ऊपर लोहा के राजदंड ले राज
करही, अऊ ओह ओमन ला माटी के
बरतन सहीं टोर-फोर दही’—जइसने
का मोर ददा ह ओमन ऊपर राज करे
बर मोला अधिकार दे हवय। 28मेंह
ओला बहिनियां के तारा घलो दूहूं।
29जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि
पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का
कहथि।”

सरदीस के कलीसिया ला संदेस

3 “सरदीस के कलीसिया के दूत ला ए
लखि:

जऊन ह परमेसर के सात आतमा अऊ
सात तारामन ला धरे हवय, ओकर ए
बचन अय; मेंह तुम्हर काममन ला
जानत हंव; तुमन जीयत कलीसिया
कहिलाथव, पर असल म तुमन मर गे
हवव। 2जागव! ओ चीज जऊन ह बांचे
हवय, अऊ नास होवइया हवय, ओला
मजबूत करव, काबरका मेंह तुम्हर
काम ला अपन परमेसर के नजर म सही
नई पाय हवंव। 3जऊन सकिछा तुमन
पाय हवव अऊ सुने हवव, ओला सुरता
रखव; ओकर पालन करव अऊ पाप ले
पछताप करव। पर कहूं तुमन नई जागहू,
त मेंह चोर के सहीं आ जाहूं, अऊ तुमन
ला पता नई चलही कि किते बेरा मेंह
तुम्हर करा आ जाहूं।

4तभो ले सरदीस सहर म, तुम्हर
इहां कुछू मनखे हवय, जऊन मन अपन
जनिगी ला सुध रखे हवय। ओमन
सफेद कपड़ा पहरिके मोर संग चलहीं,
काबरका ओमन एकर काबलि हवय।
5जऊन ह बजियी होही, ओला एमन के
सहीं सफेद कपड़ा पहिराय जाही। मेंह
ओकर नांव ला जनिगी के कतिाब ले
कभू नई मेटावंव, पर अपन ददा अऊ
ओकर स्वरगदूतमन के आघू म ओला
गरहन करहूं। 6जेकर कान हवय,
ओह सुन ले कि पबतिर आतमा ह
कलीसियामन ला का कहथि।”

फलाडेलफिया के कलीसिया ला संदेस

7“फलाडेलफिया के कलीसिया के दूत
ला ए लखि:

एह ओकर बचन ए, जऊन ह पबतिर
अऊ सत ए अऊ जेकर करा दाऊद राजा
के कुची हवय। जऊन ला ओह खोलथे,
ओला कोनो बंद नई कर सकय; अऊ
जऊन ला ओह बंद करथे, ओला कोनो
खोल नई सकय। 8मेंह तुम्हर काममन

ला जानथंव। देखव, मेंह तुम्हर आघू म एक उघरे कपाट रखे हवंव, जऊन ला कोनो बंद नई कर सकंय। मेंह जानथंव कि तुम्हर ताकत थोरकन हवय, तभो ले तुमन मोर बचन माने हवव अऊ मोर बसिवास म बने हवव। 9जऊन मन सैतान के सभा-घर के अंय अऊ अपन-आप ला यहूदी कहथिं, पर हवंव नई, ओमन लबारी मारथें। मेंह अइसने करहूं कि ओमन तुम्हर करा आके तुम्हर गोड़ खाल्हे गरिहीं अऊ मान लहीं कि मेंह तुमन ले मया करथंव। 10काबरकि तुमन मोर हुकूम ला धीरज धरके माने हवव, त मेंह घलो तुमन ला ओ परछा के घड़ी ले बंचाके रखहूं, जऊन ह जम्मो संसार ऊपर अवइया हवय। एकर दुवारा ए धरती म रहइया मनखेमन परखे जाहीं।

11मेंह जल्दी अवइया हवंव। जऊन सकिछा तुमन ला मलिं हवय, ओम बने रहव, ताकि तुम्हर मुकुट ला कोनो झन ले सकय। 12जऊन ह बजियी होही, मेंह ओला अपन परमेसर के मंदिर म खम्भा बनाहूं। ओह एकर ले कभू बाहरि नई जाहीं। मेंह अपन परमेसर के नांव, अपन परमेसर के सहर के नांव—नवां यरूसलेम, जऊन ह मोर परमेसर करा ले स्वरग ले उतरही; ओकर ऊपर लिखहूं अऊ मेंह अपन नवां नांव ला घलो ओकर ऊपर लिखहूं। 13जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का कहथि।”

लौदीकिया के कलीसिया ला संदेस

14“लौदीकिया के कलीसिया के दूत ला ए लिख:

एह आमीन के बचन अय, जऊन ह बसिवास लइक अऊ सच्चा गवाह अऊ परमेसर के सरिसिटी के अधिकारी ए। 15मेंह तुम्हर काममन ला जानत हंव। तुमन न तो ठंडा हवव अऊ न तात। बने होतसि कि तुमन या तो ठंडा रहतिव या फेर तात। 16काबरकि तुमन कुनकुना

हवव, न ठंडा अऊ न तात; एकरसेती मेंह तुमन ला अपन मुहूं ले उछर दूहूं। 17तुमन कहथिव कि तुमन धनवान अव; तुम्हर करा संपत्ती हवय, अऊ तुमन ला कोनो चीज के जरूरत नई ए। पर तुमन ए नई जानत हव कि तुमन अभागा, दयनीय, गरीब, अंधरा अऊ नंगरा अव। 18मेंह तुमन ला सलाह देवत हंव कि आगी म सुध करे गेय सोना मोर करा ले बसिवव अऊ धनवान हो जावव। तुमन मोर करा ले सफेद कपड़ा पहिरि बर बसिवव कि अपन नंगरई के लाज ला ढांक सकव अऊ अपन आंखी म लगाय बर मरहम बसिवव कि तुमन देख सकव।

19जऊन मन ला मेंह मया करथंव, ओमन ला मेंह दबकारथंव अऊ दंड देथंव। एकरसेती ईमानदार बनव अऊ अपन पाप ले पछताप करव। 20देखव! मेंह कपाट के आघू म ठाढ़ होके खटखटावत हंव। कहूं कोनो मोर अवाज ला सुनके कपाट ला खोलही, त मेंह ओकर करा भीतर आके ओकर संग खाहूं अऊ ओह मोर संग खाही।

21जऊन ह बजियी होही, ओला मेंह मोर संग संधासन म बईठे के अधिकार दूहूं, जइसने कि मेंह बजिय पाके अपन ददा के संग ओकर संधासन म बईठे हवंव। 22जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबतिर आतमा ह कलीसियामन ला का कहथि।”

स्वरग म अराधना

4 एकर बाद, मेंह स्वरग म एक उघरे कपाट ला देखेंव। अऊ ओ तुरही के सही अवाज, जऊन ला मेंह पहिली अपन ले गोठियावत सुने रहेंव, कहसि, “इहां ऊपर आ, अऊ मेंह तोला देखाहूं कि एकर बाद का होवइया हवय।” 2मेंह तुरते पबतिर आतमा ले भर गेंव अऊ देखेंव कि स्वरग म एक संधासन रखे हवय अऊ ओम एक झन बईठे रहय। 3अऊ जऊन ह ओम बईठे

रहय, ओकर रूप ह मानकिय अऊ यसब सहीं रहय अऊ सधासन के चारों कोर्ता एक मेघ-धनुस रहय, जऊन ह पन्ना सहीं दखिय। 4ओ सधासन के चारों कोर्ता अऊ चौबीस ठन सधासन रहय, जेम चौबीस झन धरम अगुवामन बईठे रह्य। ओमन सफेद कपड़ा पहिर रह्य अऊ ओमन के मुड़ी म सोन के मुकुट रहय। 5ओ सधासन म ले बजिली, अवाज अऊ बादर के गरजन नकिरत रहय। अऊ ओ सधासन के आघू म सात ठन मसाल बरत रह्य, जऊन मन परमेसर के सात आतमा अंय। 6ओ सधासन के आघू म कांच के समुंदर सहीं घलो रहय, जेकर आर-पार जम्मो चीज साफ-साफ दखिय।

सधासन के चारों कोर्ता, एकर चारों कनारा म चार जीयत परानी रह्य, जेमन के आघू अऊ पाछू म आंखीच आंखी रहय। 7पहिली जीयत परानी ह सहि के सहीं रहय; दूसरा परानी ह बड़ला सहीं; तीसरा परानी के चेहरा ह मनखे सहीं रहय अऊ चौथा परानी ह उड़त गंधिवा सहीं रहय। 8चारों जीयत परानीमन के छै-छै ठन डेना रहय अऊ ओमन जम्मो अंग, डेना के भीतर घलो आंखीमन ले भरे रह्य। रात अऊ दनि, ओमन लगातार ए कहत रह्य:

“सर्वसक्तमान परभू परमेसर
ह पबतिर,
पबतिर, पबतिर ए, जऊन ह
रहिस,
जऊन ह हवय अऊ जऊन ह
अवइया हवय।”

9जब-जब ओ जीयत परानीमन ओकर महिमा, आदर अऊ धनबाद करंय, जऊन ह सधासन म बरिजे रहय अऊ जुग-जुग ले जीयत हवय, 10तब-तब ओ चौबीस धरम अगुवामन ओकर आघू म माड़ी टेकंय, जऊन ह सधासन म बरिजे रहय, अऊ ओकर अराधना करंय, जऊन ह जुग-जुग ले जीयत हवय। ओमन अपन-अपन मुकुट ला सधासन के आघू म मढ़ाके ए कहंय:

11“हमर परभू अऊ परमेसर!

तेंह महिमा, आदर अऊ सामरथ पाय के काबलि अस।

काबरका तेंह जम्मो चीज ला बनाय हवस, अऊ तोर ईछा के दुवारा ओमन गढ़े गीन अऊ ओमन के असतत्त्व हवय।”

जनिगी के किताब अऊ मेढ़ा-पीला

5 तब मेंह देखेंव कजिऊन ह सधासन म बरिजे रहय, ओकर जेवनी हांथ म एक ठन किताब रहय, जेकर दूनों कोर्ता लिखाय रहय अऊ ओला सात ठन मुहर लगाके बंद करे गे रहय। 2अऊ मेंह देखेंव किएक सक्तसाली स्वरगदूत ह ऊंचहा अवाज म ए घोसना करत रहय, “मुहर ला टोरके किताब ला खोले के काबलि कोन ए?” 3पर स्वरग म या धरती ऊपर या धरती के खाल्हे म कोनो घलो ओ किताब ला खोले के या ओला देखे के काबलि नई रहिस। 4मेंह अब्बड़ रोवंय काबरका अइसने कोनो नई मलिसि, जऊन ह किताब ला खोले या ओला देखे के काबलि होवय। 5तब ओ अगुवामन ले एक झन ह मोला कहसि, “झन रो! देख, जऊन ह यहूदा गोत्र के सहि ए, अऊ दाऊद राजा के बंसज ए, ओह बजिय पाय हवय अऊ ओह सातों मुहर ला टोरे अऊ किताब ला खोले के काबलि हवय।”

6तब मेंह एक ठन मेढ़ा-पीला ला देखेंव, जऊन ह अइसने दखित रहय, मानो ओकर बध करे गे हवय। ओ मेढ़ा-पीला ह सधासन के आघू म चारों जीयत परानी अऊ अगुवामन के बीच म ठाढ़े रहय। ओकर सात ठन सगि अऊ सात ठन आंखी रहिसि, जऊन मन परमेसर के सात आतमा अंय अऊ एमन ला जम्मो धरती म पठोय गे हवय। 7तब मेढ़ा-पीला ह आईस अऊ जऊन ह सधासन म बरिजे रहय, ओकर जेवनी हांथ ले ओह किताब ला ले लीस। 8अऊ जब मेढ़ा-पीला ह किताब ला ले लीस, त ओ चारों जीयत परानी अऊ ओ चौबीस अगुवामन मेढ़ा-पीला के आघू म गरि पड़नि। हर एक के हांथ म बीना अऊ धूप ले भरे सोन के कटोरा रहय,

जऊन ह पबतिर मनखेमन के पराथना अय।

9अऊ ओमन एक नवां गीत गाईन:

“तेंह कतिब ला लेय के
अऊ ओकर मुहरमन ला टोरे के
काबलि हवस,
काबरकतिर बध करे गीस,
अऊ अपन लहू के दुवारा तेंह जम्मो
जाति,
भासा, देस अऊ गोत्र के मनखेमन ला
परमेसर बर बसियो हवस।
10तेंह ओमन ला एक ठन देस अऊ पुरोहित
बना दे हवस क ओमन हमर
परमेसर के सेवा करंय,
अऊ ओमन धरती ऊपर राज करहीं।”

11तब मेंह लाखों-करोड़ों स्वरगदूतमन ला
देखेंव अऊ ओमन के अवाज सुनेंव। ओमन
सध्यासन, जीयत परानी अऊ अगुवामन के
चारों कोति रहंय। 12ओमन ऊंचहा अवाज
म गावत रहंय:

“जऊन मेढा-पीला के बध करे गीस,
ओह सामरथ, धन, बुद्धि, बल,
आदर,
महिमा अऊ परसंसा पाय के काबलि
अय।”

13तब मेंह अकास, धरती अऊ धरती के
खाल्हे अऊ समुंदर के जम्मो परानीमन ला
अइसने गावत सुनेव:

“जऊन ह सध्यासन म बईठथे,
ओकर अऊ ओ मेढा-पीला के परसंसा,
आदर, महिमा अऊ सामरथ
जुग-जुग होवय।”

14अऊ चारों जीयत परानीमन कहनि,
“आमीन,” अऊ अगुवामन माड़ी के भार
गरिके अराधना करनि।

सात ठन मुहर

6 मेंह देखेंव क मेढा-पीला ह जब ओ
सात ठन मुहर ले पहिली मुहर ला
टोरसि, त मेंह ओ चार जीयत परानीमन ले
एक झन ला बादर के गरजन सहीं अवाज

म, ए कहत सुनेंव, “आ!” 2अऊ मेंह देखेंव
क उहां एक सफेद घोड़ा रहय। ओ घोड़ा के
सवार ह एक ठन धनुस धरे रहय। ओला एक
ठन मुकुट दयि गीस अऊ ओह एक बजियी
योद्धा सहीं बजिय पाय बर नकिर गीस।

3जब मेढा-पीला ह दूसरा मुहर ला टोरसि,
त मेंह दूसरा जीयत परानी ला ए कहत सुनेंव,
“आ!” 4तब एक आने घोड़ा नकिरसि।
ओकर लाल रंग रहय। ओकर सवार ला ए
सामरथ दयि गीस क ओह धरती के सांति
ला ले लेय, ताका मनखेमन एक-दूसर ला मार
डारेंय। ओला एक बड़े तलवार दयि गीस।

5जब मेढा-पीला ह तीसरा मुहर ला टोरसि,
त मेंह तीसरा जीयत परानी ला ए कहत सुनेंव,
“आ।” मेंह देखेंव क उहां एक ठन करिया
घोड़ा रहय। ओकर सवार के हांथ म एक
तराजू रहय। 6तब मेंह ओ चारों जीयत परानी
के बीच म ले, ए अवाज आवत सुनेंव, “एक
दिन के बनी के एक कलिो गहूँ अऊ एक दिन
के बनी के तीन कलिो जवार। पर तेल अऊ
अंगूर के मंद ला नुकसान झन करव।”

7जब मेढा-पीला ह चौथा मुहर ला टोरसि,
त मेंह चौथा जीयत परानी ला ए कहत सुनेंव,
“आ।” 8अऊ मेंह देखेंव क उहां एक ठन
हरदी रंग के घोड़ा रहय। ओकर सवार के
नांव मरितू रहय, अऊ ओकर पाछू-पाछू
पताल-लोक ह आवत रहय। ओमन ला धरती
के एक चौथाई भाग ऊपर अधिकार दयि गे
रहिसि क ओमन तलवार, अकाल, महामारी
अऊ जंगली पसुमन के दुवारा मनखेमन ला
मार डारेंय।

9जब मेढा-पीला ह पांचवां मुहर ला
टोरसि, त मेंह बेदी के खाल्हे म ओमन के
जीव ला देखेंव, जऊन मन परमेसर के बचन
अऊ मसीह के गवाही देय के कारन मार डारे
गे रहनि। 10ओमन ऊंचहा अवाज म कहत
रहंय, “हे सर्वसक्तमान परभू! तेंह पबतिर
अऊ सत अस। तेंह धरती ऊपर रहइयामन
ला कब सजा देबे अऊ ओमन ले हमर लहू
के बदला लेबे।” 11ओमन ले हर एक ला
एक सफेद कपड़ा दयि गीस अऊ ओमन ला
अऊ थोरकन इंतजार करे बर कहे गीस, जब

तक कि ओमन के संगी सेवक अऊ भाईमन के गनती ह पूरा नई हो लेवय, जऊन मन ओकरेच मन सहीं मार डारे जवइया रहिनि।

12जब मेढ़ा-पीला ह छठवां मुहर ला टोरसि, त मेंह देखेव कि उहां एक भारी भुइंडोल होईस। सूरज ह बोकरा के रोआं ले बने टाट सहीं करिया हो गीस अऊ चंदा ह लहू सहीं लाल हो गीस, 13अऊ अकास के तारामन धरती ऊपर अइसने गरि पड़नि, जइसने गरेर म अंजीर के रूख के कइंचा अंजीरमन गरिथें। 14अकास ह अइसने लोप हो गीस, जइसने कागज के पुलदि ला कोनो लपेट लेथे, अऊ जम्मो पहाड़ अऊ टापू मन अपन-अपन जगह ले हट गीन।

15तब धरती के राजा, अऊ बड़े मनखे, सेनापति, धनवान, सक्तसिली अऊ गुलाम अऊ सुतंतर मनखे मन पहाड़मन के खोह अऊ चट्टान मन म लुका गीन। 16ओमन पहाड़ अऊ चट्टान मन ले कहे लगनि, “हमर ऊपर गरि पड़व अऊ ओकर नजर ले हमन ला छपि लेवव, जऊन ह सधासन म बरिजे हवय अऊ मेढ़ा-पीला के कोरोध ले हमन ला बचा लेवव। 17काबरकि ओमन के कोरोध के भयानक दनि ह आ गे हवय, अऊ कोन ह एमन के सामना कर सकथे?”

इसरायल के एक लाख चवालिस हजार मनखे

7 एकर बाद मेंह धरती के चारों कोना म चार स्वरगदूतमन ला ठाढ़े देखेव। ओमन धरती के चारों दगि के हवा ला थामे रहिनि, ताकि धरती या समुंदर या रूख ऊपर हवा झन चलय। 2तब मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला पूरब दगि ले आवत देखेव। ओह जीयत परमेसर के मुहर ला धरे रहय। ओह ओ चारों स्वरगदूत ले, जऊन मन ला धरती अऊ समुंदर के नुकसान करे के अधिकार दिये गे रहिसि, पुकारके कहसि, 3“जब तक हमन अपन परमेसर के सेवकमन के माथा म मुहर नई लगा लेवन, तब तक धरती या समुंदर या रूखमन के नुकसान झन करव।” 4अऊ मेंह मुहर लगे मनखेमन के

गनती ला सुनेव। एमन इसरायल के जम्मो गोत्र म ले एक लाख 144,000 रहिनि।

- 5यहूदा के गोत्र के 12,000,
 - रूबेन के गोत्र के 12,000,
 - गाद के गोत्र के 12,000,
 - 6आसेर के गोत्र के 12,000,
 - नपताली के गोत्र के 12,000,
 - मनस्से के गोत्र के 12,000,
 - 7समीन के गोत्र के 12,000,
 - लेवी के गोत्र के 12,000,
 - इस्साकार के गोत्र के 12,000,
 - 8जबूलून के गोत्र के 12,000,
 - यूसुफ के गोत्र के 12,000,
 - अऊ बनीयामीन के गोत्र के 12,000
- मनखेमन म मुहर लगसि।

सफेद कपड़ा पहिरि मनखेमन के बड़े भीड़

9एकर बाद मेंह जम्मो देस, गोत्र, जाती अऊ भासा के मनखेमन के एक बड़े भीड़ ला देखेव, जेकर गनती कोनो नई कर सकत रहिनि। ओमन सफेद कपड़ा पहिरि अऊ हांथ म खजूर के डालीमन ला धरके सधासन अऊ मेढ़ा-पीला के आधू म ठाढ़े रहिनि। 10अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म चचियिके कहत रहिनि:

“सधासन म बरिजे हमर परमेसर
अऊ मेढ़ा-पीला के दुवारा उद्धार होथे।”

11सधासन, अगुवा अऊ चारों जीयत परानी के चारों कोर्ता जम्मो स्वरगदूतमन ठाढ़े रहय। ओमन सधासन के आधू म मुहू के भार गरिनि अऊ ए कहत परमेसर के अराधना करनि:

12“आमीन!

हमर परमेसर के इसतुति,
महिमा, बुद्धि, धनबाद, आदर,
सामरथ अऊ बल जुग-जुग तक होवय,
आमीन!”

13तब अगुवामन ले एक झन मोर ले पुछसि, “जऊन मन सफेद कपड़ा पहिरि

हवय, ओमन कोन अंय, अऊ ओमन कहां ले आय हवय?”

14मेंह कहेंव, “हे महाराज, तेंह जानथस।”

अऊ ओह कहसि, “एमन ओ मनखे अंय, जऊन मन भारी सतावा म ले होके आय हवय। एमन मेढ़ा-पीला के लहू म अपन कपड़ा ला धोके सफेद कर ले हवय।

15एकरसेति,

एमन परमेसर के सधासन के आघू म

ठाढ़े रहथिं,

अऊ रात-दिन परमेसर के सेवा ओकर

मंदिर म करथें,

अऊ जऊन ह सधासन म बरिजे हवय,

ओह ओमन के संग रहकि ओमन के

रकछा करही।

16एमन ला न तो कभू भूख लगही,

अऊ न कभू पयास।

सूरज के घाम ह एमन के कुछू नई कर

सकय,

अऊ तीपत गरमी के कुछू असर एमन

ऊपर नई होवय।

17काबरकजिऊन मेढ़ा-पीला ह सधासन

के आघू म हवय,

ओह ओमन के चरवाहा होही;

ओह ओमन ला जनिगी के पानी के

सोतामन करा ले जाही।

अऊ परमेसर ह ओमन के आंखी के

जम्मो आंसू ला पोंछही।”

सातवां मुहर अऊ सोन के धूपदान

8 जब मेढ़ा-पीला ह सातवां मुहर ला टोरसि, त करीब आधा घंटा तक स्वर्ग म सन्नाटा छा गीस। 2तब मेंह ओ सात स्वर्गदूतमन ला देखेंव जऊन मन परमेसर के आघू म ठाढ़े रहथिं। ओमन ला सात ठन तुरही दिये गीस।

3तब एक आने स्वर्गदूत, जऊन ह सोन के धूपदान धरे रहय, आईस अऊ बेदी करा ठाढ़ हो गीस। ओला अब्बड़ अकन धूप दयि गीस कि ओह ओला जम्मो पबतिर मनखेमन के पराथना के संग सधासन के आघू म सोन के बेदी ऊपर चघावय। 4अऊ स्वर्गदूत के

हांथ ले धूप के धुआं ह पबतिर मनखेमन के पराथना के संग ऊपर उठसि अऊ परमेसर के आघू म हबरसि। 5तब स्वर्गदूत ह धूपदान ला लीस अऊ ओला बेदी के आगी ले भरसि अऊ ओला धरती ऊपर फटकि दीस, त बादर के गरजन, अवाज, बजिली के कड़क अऊ भुइंडोल होईस।

तुरहीमन

6तब ओ सात स्वर्गदूत, जेमन करा सात ठन तुरही रहिसि, अपन-अपन तुरही ला फूके के तयारी करनि।

7पहिली स्वर्गदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त लहू म मलि करा अऊ आगी आईस अऊ एला धरती ऊपर डारे गीस। एम एक तहिाई धरती ह जर गीस; एक तहिाई रूखमन जर गीन अऊ जम्मो हरहिर कांदी घलो जर गीस।

8दूसरा स्वर्गदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त आगी म जरत एक बड़े पहाड़ सहीं चीज ला समुंदर म फटकि गीस; 9अऊ एक तहिाई पानी ह लहू हो गीस, समुंदर के एक तहिाई जीयत परानीमन मर गीन अऊ एक तहिाई पानी जहाजमन नास हो गीन।

10तब तीसरा स्वर्गदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त मसाल के सहीं बरत एक बड़े तारा ह अकास ले एक तहिाई नदीमन ऊपर अऊ पानी के सोता ऊपर गरिसि। 11ओ तारा के नांव नागदऊना ए। अऊ धरती के एक तहिाई पानी ह करू हो गीस, अऊ ओ करू पानी ला पीके कतको मनखेमन मर गीन।

12तब चौथा स्वर्गदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, त एक तहिाई सूरज अऊ एक तहिाई चंदा अऊ एक तहिाई तारामन ऊपर बपित पड़सि, जेकर ले ओमन के एक तहिाई भाग ह अंधयार हो गीस अऊ दिन के एक तहिाई भाग म अंजोर नई होईस अऊ रात के एक तहिाई भाग म घलो अंजोर नई होईस।

13तब मेंह देखेंव अऊ सुनेंव कि ऊंच अकास म उड़त एक गंधिवा ह ऊंचहा अवाज म ए कहत रहय, “बाका बचे तीन स्वर्गदूतमन जऊन तुरही फूंकइया हवय,

ओकर कारन धरती के रहइयामन ऊपर हाय! हाय! हाय!”

9 तब पांचवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूकसि, अऊ मेंह एक तारा ला देखेंव, जऊन ह अकास ले धरती ऊपर गरि रहिसि। ओ तारा ला अथाह कुन्ड के कुची दयि गीस। 2जब ओह अथाह कुन्ड ला खोलसि, त उहां ले अइसने धुआं नकिरसि, जइसने का एक बड़े भट्ठी ले नकिरथे। ओ कुन्ड के धुआं ले सूरज अऊ अकास अंधियार हो गीन। 3अऊ ओ धुआं म ले धरती ऊपर फांफामन आईन अऊ ओमन ला धरती के बचिछूमन सहीं सक्ती दयि गीस। 4ओमन ला ए कहे गीस का धरती के कांदी, या कोनो पौधा या रूख ला हाना ज्ञान पहुंचावयं, पर सरिपि ओ मनखेमन ला नुकसान पहुंचावयं, जेमन के माथा म परमेसर के मुहर नई लगे हवय। 5फांफामन ला ए सक्ती नई दयि गीस का ओमन मनखेमन ला मार डारें, पर ओमन ला ए सक्ती दयि गीस का ओमन पांच महनि तक मनखेमन ला पीरा देवयं। ओ पीरा ह अइसने रहिसि, जइसने बचिछू के डंक मारे ले मनखे ला पीरा होथे। 6ओ दनिमन म मनखेमन मरितू ला खोजहीं, पर ओमन ला ओह नई मलिही। ओमन मरे के ईछा करहीं, पर मरितू ह ओमन ले दूर भागही।

7ओ फांफामन लड़ई बर तयार घोड़ामन सहीं दखित रहयं। अपन मुड़ म, ओमन सोन के मुकुट सहीं कुछू पहरि रहयं अऊ ओमन के मुहूं मनखेमन के मुहूं सहीं रहय। 8ओमन के चुंदी ह माईलोगन के चुंदी सहीं रहय अऊ ओमन के दांतमन सहि के दांत सहीं रहिसि। 9ओमन के छाती ह लोहा के कवच सहीं चीज ले ढंकाय रहिसि अऊ ओमन के डेना के अवाज ह लड़ई म दऊड़त बहुते घोड़ा अऊ रथ मन के अवाज सहीं रहिसि। 10ओमन के पुंछी अऊ डंक ह बचिछूमन के पुंछी अऊ डंक सहीं रहय अऊ ओमन के पुंछी म मनखेमन ला पांच महनि तक दुःख देय के सक्ती रहय। 11अथाह कुन्ड के दूत ह ओमन के राजा रहिसि। ओकर नांव

इबरानी भासा म “अबद्दोन” अऊ यूनानी भासा म “अपुल्लयोन” ए॥

12पहिली बपित्ती पड़ चुके हवय; एकर बाद दू अऊ बपित्ती अवइया हवयं।

13तब छठवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूकसि, त मेंह एक अवाज सुनेव, जऊन ह परमेसर के आघू म रखाय सोन के बेदी के चारों कोना म ले आवत रहय। 14ओ अवाज छठवां स्वरगदूत ला जेकर करा तुरही रहिसि, ए कहत रहय, “ओ चारों स्वरगदूत ला छोड़ दे, जऊन मन महान नदी फरात करा बंधाय हवयं।” 15अऊ ओ चारों स्वरगदूतमन ला छोड़ दयि गीस। ओमन ला एही घरी अऊ दनि अऊ महनि अऊ साल बर तयार रखे गे रहिसि का ओमन एक तहिाई मनखेमन ला मार डारें। 16घुड़सवार सेनामन के गनती ह बीस करोड़ रहिसि। मेंह ओमन के गनती ला सुनेव।

17मेंह अपन दरसन म देखेंव का घोड़ामन अऊ ओकर सवारमन अइसने दखित रहयं: घुड़सवार के कवच ह आगी सहीं लाल, गहिरा नीला अऊ गंधक के सहीं पीला रंग के रहय। घोड़ामन के मुड़ी ह सहिमन के मुड़ी सहीं रहय अऊ ओमन के मुहूं ले आगी, धुआं अऊ गंधक नकिरत रहय। 18एक तहिाई मनखेमन ए तीन महामारी के दुवारा मार डारे गीन—याने का आगी, धुआं अऊ गंधक के दुवारा, जऊन ह घोड़ामन के मुहूं ले नकिरत रहय। 19घोड़ामन के सक्ती ह ओमन के मुहूं अऊ ओमन के पुंछी म रहय; काबरका ओमन के पुंछीमन सांपमन सहीं रहय, जेम मुड़ीमन रहय अऊ मुड़ी ले ओमन मनखेमन ला चाबके तकलीफ देवत रहिनि।

20बाका बिचे मनखे, जऊन मन ए महामारी म नई मारे गीन, ओमन अपन गलत काम ले मन नई फरिाईन। ओमन दुस्ट आतमामन के, अऊ सोना, चांदी, पीतल, पथरा, अऊ कठवा के मूरती मन के पूजा करे बर नई छोड़नि, जऊन मन न तो देख सकयं, न सुन सकयं अऊ न तो रेंग सकयं। 21जऊन हतिया, जादू टोना, छिनारीपन अऊ चोरी

ओमन करे रहनि; ओमन ओकर बर घलो पछताप नइ करनि।

स्वरगदूत अऊ छोटे कतिाब

10 तब मेंह एक अऊ सक्तिसाली स्वरगदूत ला अकास ले उतरत देखेंव। ओह चारों कोर्ता ले बादर ले घेराय रहय अऊ ओकर मुड़ी ऊपर मेघ-धनुस रहय। ओकर चेहरा ह सूरज सहीं रहय अऊ ओकर गोड़मन आगी के खम्भा सहीं रहय। **2** ओह अपन हांथ म एक छोटे कतिाब धरे रहय, जऊन ह खुला रहय। ओह अपन जेवनी गोड़ समुंदर ऊपर अऊ डेरी गोड़ ला भुइयां ऊपर रखसि, **3** अऊ सहि के गरजन सहीं ओह ऊंचहा अवाज म चचियाईस। जब ओह चचियाईस, त सात ठन बादर के गरजन मन गोठियाईन। **4** अऊ जब सात ठन बादर के गरजन मन गोठियाईन, त ओला मेंह लिखनेच वाला रहेंव की मेंह स्वरग ले एक अवाज ला ए कहत सुनेंव, “जऊन बात सात ठन बादर के गरजन मन कहनि, ओला गुप्त म रख अऊ ओला झन लिखि।”

5 तब जऊन स्वरगदूत ला मेंह समुंदर अऊ भुइयां ऊपर ठाढ़े देखे रहेंव, ओह अपन जेवनी हांथ ला अकास कोर्ता उठाईस। **6** अऊ ओह ओकर करिया खाईस, जऊन ह सदाकाल तक जीयत हवय, जऊन ह स्वरग अऊ ओम जऊन कुछू हवय, धरती अऊ ओम जऊन कुछू हवय अऊ समुंदर अऊ ओम जऊन कुछू हवय, ओ जम्मो ला गढ़सि, अऊ ओ स्वरगदूत ह कहसि, “अब अऊ देरी नइ होवय! **7** पर जऊन दिन सातवां स्वरगदूत ह अपन तुरही ला फूंकही, ओ दिन परमेसर के गुप्त योजना ह पूरा हो जाही, जइसने की ओह अपन अगमजानी सेवकमन ला कहे रहिसि।”

8 तब अकास ले जऊन अवाज ला मेंह गोठियावत सुने रहेंव, ओह फेर एक बार मोर ले कहसि, “जा, अऊ जऊन स्वरगदूत ह समुंदर अऊ भुइयां ऊपर ठाढ़े हवय, ओकर हांथ ले ओ खुला कतिाब ला लेय ले।”

9 एकरसेति, ओ स्वरगदूत करा जाके मेंह

ओला कहेंव, “मोला ओ छोटे कतिाब ला देय दे।” ओह मोला कहसि, “एला ले अऊ खा ले। एह तोर पेट ला करू कर दीही, पर तोर मुहू म एह मंधरस सहीं मीठ लगही।” **10** स्वरगदूत के हांथ ले मेंह ओ छोटे कतिाब ला लेके, ओला खा लेंव। ओह मोर मुहू म मंधरस के सहीं मीठ लगसि, पर जब मेंह ओला खा चुकेंव, त मोर पेट ह करू हो गीस। **11** तब मोला ए कहे गीस, “तोला फेर बहुते मनखे, देस, भासा अऊ राजा मन के बारे म अगमबानी करना जरूरी ए।”

दू झन गवाह

11 तब मोला एक झन नापे के एक ठन लउठी दीस अऊ कहसि, “जा अऊ परमेसर के मंदिर अऊ बेदी ला नाप अऊ जऊन मन उहां अराधना करत हवय, ओमन के गनती कर। **2** पर बाहरी अंगना ला छोंड़ दे; ओला झन नाप, काबरकी ओला आनजातमन ला दिये गे हवय, अऊ ओमन बियालीस महिना तक पबतिर सहर ला रौंदत रहहीं। **3** अऊ मेंह अपन दू झन गवाह ला सक्ती दूहूँ, अऊ ओमन एक हजार दू सौ साठ दिन तक टाट पहरिके अगमबानी करहीं।”

4 ए दू गवाहमन दू ठन जैतून के रूख अऊ दू ठन दीवट अंय, जऊन मन धरती के परभू के आधू म ठाढ़े रहथिं। **5** कहूँ कोनो ओमन ला हाना पहुंचाय के कोससि करथे, त ओमन के मुहूँ ले आगी नकिरथे अऊ ओमन के बईरीमन ला भसम कर देथे। जऊन कोनो एमन के हाना करे के कोससि करथे, ओह अइसने मरही। **6** ए दूनों झन करा अकास के कपाटमन ला बंद करे के सक्ती हवय, ताकी जब ओमन अगमबानी करंय, त पानी झन गरिय, अऊ एमन करा ए सक्ती घलो हवय की पानी ला लहू म बदल दें अऊ जब चाहंय, तब धरती ऊपर जम्मो कसिम के महामारी लानय।

7 जब एमन अपन गवाही दे चुकहीं, त ओ पसु जऊन ह अथाह कुन्ड ले नकिरही, एमन ले लड़ही, अऊ ओह एमन ला हराके मार

डारही। 8 एमन के लासमन ओ महान सहर के गली म पड़े रहिहीं, जहिं ओमन के परभू ला कुरस ऊपर चघाय गे रहिसि। ए महान सहर ला सांकेतिक रूप म सदोम अऊ मसिर कहे जाथे। 9 साढ़े तीन दिन तक जम्मो जाति, भासा, देस अऊ बंस के मनखेमन एमन के लास ला देखहीं, पर ओम के कोनो घलो ओमन ला माटी नईं दर्हीं। 10 धरती के मनखेमन एमन के मरे ले आनंद मनाहीं अऊ खुस होवत एक-दूसर करा भेंट पठोहीं, काबरका ए दूनों अगमजानीमन धरती के रहइयामन ला अबूबड़ दुःख देय रहिनि।

11 पर साढ़े तीन दिन के बाद, परमेसर के जनिगी देवइया सांस, ए दूनों म हमाईस अऊ ओमन अपन गोड़ म ठाढ़ हो गीन, अऊ जऊन मन ओमन ला देखनि, ओमन म बहुते भय छा गीस। 12 तब ओमन स्वर्ग ले एक ऊंचहा अवाज सुननि, जऊन ह ओमन ला ए कहत रहय, “इहां ऊपर आ जावव।” अऊ ओमन अपन बईरीमन के देखते-देखत एक बादर म स्वर्ग चले गीन।

13 ओहीच बेरा एक भारी भुइंडोल होईस अऊ सहर के दसवां भाग ह भरभरा के गरि गीस। सात हजार मनखेमन ओ भुइंडोल म मारे गीन अऊ जऊन मन बच गीन, ओमन डर्रा गीन अऊ स्वर्ग के परमेसर के महमिा करनि।

14 दूसरा बपित्ती बीत गीस, पर देखव! तीसरा बपित्ती ह जल्दी अवइया हवय।

सातवां तुरही

15 तब सातवां स्वर्गदूत ह अपन तुरही ला फूंकिस, अऊ स्वर्ग म ऊंचहा अवाज सुनई पड़िसि, जऊन ह ए कहत रहय:

“संसार के राज ह हमर परभू
अऊ ओकर मसीह के राज बन गे
हवय,
अऊ ओह सदाकाल तक राज करही।”

16 अऊ चौबीस झन अगुवा, जऊन मन परमेसर के आघू म अपन संधासन ऊपर बरिजे रहिनि, मुहूँ के भार गरिनि अऊ ए कहत परमेसर के अराधना करनि:

17 “हे सर्वसकृत्मान परभू परमेसर, तेंह हवस,
अऊ तेंह रहय; हमन तोला धनबाद देवत हवन,
काबरका तेंह अपन बड़े सामरथ ला उपयोग करके
राज करे के सुरू करे हवस।

18 देसमन गुस्सा करत रहिनि अऊ तोर परकोप ह आ गे हवय।

मरे मनखेमन के नयाय करे के बेरा आ गे हवय,

अऊ ओ बेरा घलो आ गे हवय का तोर सेवक अगमजानी अऊ तोर पबतिर मनखे अऊ जऊन मन तोर भय मानथें, छोटे बड़े,
ओ जम्मो ला इनाम दयि जावय, अऊ जऊन मन धरती ला नास करथें, ओमन ला नास करे जावय।”

19 तब स्वर्ग म परमेसर के मंदिर ह खुल गीस, अऊ ओकर मंदिर म ओकर करार के संदूक ह दिखाई दीस। अऊ उहां बजिली के चमक, अवाज, बादर के गरजन अऊ भुइंडोल होईस अऊ भारी करा गरिसि।

माईलोगन अऊ सांप सहीं पसु

12 अकास म एक महान अऊ अद्भूत चन्हां परगट होईस; एक झन माईलोगन ह सूरज ला पहिर रहय। ओकर गोड़ के खाल्हें म चंदा रहय अऊ ओकर मुड़ी म बारह ठन तारामन के मुकुट रहय। 2 ओह पेट म रहिसि, अऊ लइका जनमे के पीरा ले कलपत रहिसि। 3 तब एक अऊ चन्हां अकास म परगट होईस; एक बड़े लाल रंग के सांप सहीं पसु रहय। ओकर सात ठन मुड़ी अऊ दस ठन सगि रहय अऊ सातों मुड़ी म सात ठन मुकुट रहय। 4 ओकर पुंछी ह अकास के एक तहिाई तारामन ला खींचके धरती ऊपर फटक दीस। सांप सहीं पसु ह ओ माईलोगन के आघू म ठाढ़ हो गीस, जेकर लइका होवइया रहय, ताका ओह लइका के जनमतेच ही ओ लइका ला

लील सकय। 5ओ माईलोगन ह एक बेटा ला जनमसि, जऊन ह लोहा के राजदंड ले जम्मो देस ऊपर राज करही। अऊ ओ लइका ला झपटके परमेसर अऊ ओकर सधासन करा लाने गीस। 6तब ओ माईलोगन ह सुनसान जगह ला भाग गीस; उहां परमेसर ह ओकर बर एक जगह तयार करे रहिसि, जहिं एक हजार दू सौ साठ दिन तक ओकर देख-भाल करे जा सकय।

7तब स्वर्ग म लड़ई होय लगसि। मीकाएल अऊ ओकर दूतमन सांप सहीं पसु के संग लड़नि, अऊ सांप सहीं पसु अऊ ओकर दूतमन एमन के संग लड़नि। 8पर सांप सहीं पसु ह हार गीस, अऊ ओला अऊ ओकर दूतमन ला स्वर्ग म अपन जगह ला छोड़ना पड़सि। 9ओ सांप सहीं पसु ला फटकि दयि गीस। ए सांप सहीं पसु ह ओ पुराना सांप ए, जऊन ला इबलीस या सैतान कहे जाथे अऊ जऊन ह संसार के जम्मो मनखेमन ला धोखा देथे। ओला अऊ ओकर दूतमन ला धरती म फटकि दयि गीस।

10तब मेंह स्वर्ग ले एक ऊंचहा अवाज आवत सुनेव, जऊन ह ए कहत रहय:

“अब हमर परमेसर ले उद्धार ह आ गे हवय!

परमेसर ह राजा के रूप म अपन सामरथ ला देखाय हवय,
अऊ ओकर मसीह ह अपन अधिकार ला देखाय हवय।

काबरकहिंमर भाईमन ऊपर दोस लगइया ला स्वर्ग ले फटकि दे गे हवय,

जऊन ह दिन रात हमर परमेसर के आघू म ओमन ऊपर दोस लगावत रहिसि।

11हमर भाईमन मेढ़ा-पीला के लहू
अऊ अपन गवाही के बचन के दुवारा
ओ सैतान ऊपर जय पाईन;
ओमन अपन जनिगी ला देके मरे बर तयार रहिन।

12एकरसेती, हे स्वर्ग अऊ ओम रहइयामन,

आनंद मनावव! पर हे धरती अऊ
समुंदर तुमन ला धक्कार ए,
काबरकी सैतान ह उतरके तुम्हर करा
आय हवय!
ओह कोरोध ले भरे हवय, काबरकी
ओह जानथे
की ओकर करा अऊ थोरकन समय
बचे हवय।”

13जब ओ सांप सहीं पसु ह देखसि की ओला धरती ऊपर फटकि दयि गे हवय, त ओह ओ माईलोगन के पाछू पड़ गीस, जऊन ह एक बेटा ला जनमे रहिसि। 14ओ माईलोगन ला एक बड़े गंधिवा के दू ठन डेना दयि गीस, ताकी ओह सुनसान जगह म ओ ठऊर ला उड़ के जा सकय, जहिं सांप के पहुंच ले बाहिर, ओकर साढ़े तीन साल तक देख-भाल करे जावय। 15तब सांप ह अपन मुहू ले ओ माईलोगन कोती नदिया सहीं पानी के धार छोड़सि, ताकी माईलोगन ह पानी के धार म बोहा जावय। 16पर धरती ह ओ माईलोगन के मदद करसि। धरती ह अपन मुहू ला खोलके ओ पानी ला पी गीस, जऊन ह ओ सांप सहीं पसु के मुहू ले नकिरत रहिसि। 17तब ओ सांप सहीं पसु ह ओ माईलोगन ऊपर गुस्सा करसि अऊ ओह माईलोगन के बांचे संतानमन ले लड़ई करे बर नकिरसि—याने की ओ मनखेमन ले, जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें अऊ यीसू के ऊपर बसिवास म अटल रहथिं। 18अऊ ओ सांप सहीं पसु ह समुंदर तीर म ठाढ़ हो गीस।

समुंदर ले नकिरे पसु

13 अऊ मेंह एक ठन पसु ला समुंदर ले नकिरत देखेव। ओकर दस ठन सगि अऊ सात ठन मुड़ी रहिसि। ओकर दस ठन सगि म दस ठन मुकुट रहय अऊ ओकर हर एक मुड़ी म एक ननिंदा करइया नांव लिखाय रहय। 2जऊन पसु ला मेंह देखेव, ओह चीता के सहीं रहय, पर ओकर गोड़मन भलुआ के गोड़ सहीं रहय अऊ ओकर मुहू ह संहि के मुहू सहीं रहय। सांप सहीं पसु ह

ए पसु ला अपन सकृती, अपन संधासन अऊ बहुते अधिकार दीस। 3अइसने लगत रहय की ओ पसु के एक ठन मुड़ी म एक बड़े घाव होय रहिसि, पर ओ बड़े घाव ह बने हो गे रहिसि। जम्मो संसार के मनखेवन अचरज करनि अऊ ओ पसु के पाछू हो लीन। 4मनखेवन सांप सहीं पसु के पूजा करनि, काबरकी ओह पसु ला अधिकार दे रहिसि; अऊ ओमन ए कहत पसु के घलो पूजा करनि, “ए पसु के सहीं कोन हवय? एकर संग कोन लड़ई कर सकथे?”

5ओ पसु ला डींग मारे के अऊ ननिंदा करे के अनुमती दिये गीस। ओला बियालीस महिना तक अपन अधिकार के उपयोग करे के अनुमती घलो दिये गीस। 6ओह परमेसर के ननिंदा करसि। ओह परमेसर के नांव अऊ ओकर रहे के जगह अऊ ओ मनखेवन के ननिंदा करसि, जऊन मन स्वरग म रहथिं। 7ओला अनुमती दिये गीस की ओह पबतिर मनखेवन संग लड़ई करय अऊ ओमन ऊपर जय पावय। अऊ ओला हर एक जाती, मनखे, भासा अऊ देस ऊपर अधिकार दिये गीस। 8धरती के रहइया जम्मो मनखेवन ओ पसु के पूजा करहीं—याने की ओ जम्मो मनखे, जेवन के नांव ह सरिसिंदी के रचे के पहिली ले जनिगी के किताब म नई लिखाय हवय। ए जनिगी के किताब ह ओ मेढ़ा-पीला के अय, जऊन ह मार डारे गीस।

9जेकर कान हवय, ओह सुन ले!

10कहूं कोनो ला कैद म जाना हवय, त ओह कैद म जाही।

कहूं कोनो ला तलवार ले मरना हवय, त ओह तलवार ले मारे जाही।

एकर खातिर पबतिर मनखेवन ला धीरज अऊ बसिवास के जरूरत हवय।

धरती म ले नकिरे पसु

11तब मेंह एक ठन अऊ पसु ला देखेंव, जऊन ह धरती म ले नकिरत रहय। ओकर मेढ़ा-पीला के सगि सहीं दू ठन सगि रहय, पर ओह सांप सहीं पसु जइसने गोठियावय।

12ओह पहिली पसु कोर्ता ले ओकर जम्मो

अधिकार के उपयोग करथे। ओह धरती अऊ ओकर रहइयामन ला बाध्य करथे की ओमन ओ पहिली पसु के पूजा करंय, जेकर एक बड़े घाव ह बने हो गे रहिसि। 13ए दूसरा पसु ह बड़े-बड़े चमतकार देखाईस, अऊ त अऊ ओह मनखेवन के देखत म अकास ले धरती ऊपर आगी बरसा देवत रहिसि। 14पहिली पसु कोर्ता ले, ओला जऊन चमतकार देखाय के अधिकार मिले रहिसि, ओ चमतकार के दुवारा ओह धरती के मनखेवन ला भरमा दीस। ओह मनखेवन ला हुकूम दीस की ओमन ओ पसु के आदर म एक मूर्ती बनावंय, जऊन ह तलवार ले घात करे के बाद घलो जीयत रहिसि। 15ओला पहिली पसु के मूर्ती ला जीयाय के सकृती दिये गीस, ताकी ओ मूर्ती ह गोठियावय, अऊ ओ जम्मो झन ला मरवा देवय, जऊन मन ओ मूर्ती के पूजा नई करनि। 16ओह छोटे या बड़े, धनी या गरीब, सुतंतर या गुलाम, जम्मो मनखेवन ला बाध्य करथे की ओमन जेवनी हांथ या अपन माथा म एक छाप लगावंय। 17बगिर ओ छाप के, कोनो घलो मनखे लेन-देन नई कर सकंय। ओ छाप म पसु के नांव या ओकर नांव के संख्या लिखाय रहय।

18एकर खातिर बुद्धि के जरूरत हवय। कहूं काकरो करा बुद्धि हवय, त ओह ए पसु के संख्या के हिसाब कर ले, काबरकी एह एक मनखे के संख्या ए। एकर संख्या 666 ए।

मेढ़ा-पीला अऊ 144,000 मनखे

14 तब मेंह देखेंव की मेढ़ा-पीला ह सथिोन पहाड़ ऊपर ठाढ़े हवय अऊ ओकर संग 144,000 ओ मनखेवन रहंय, जेवन के माथा म ओकर नांव अऊ ओकर ददा के नांव लिखाय रहय। 2तब मेंह स्वरग ले एक अवाज सुनेंव, जऊन ह तेजी ले बोहावत पानी के अवाज अऊ बादर के भयंकर गरजन सहीं रहय। जऊन अवाज ला मेंह सुनेंव, ओह अइसने रहिसि, मानो बीना बजइयामन बीना बजावत हवयं। 3ओ

मनखेमन सधासन अऊ चार जीयत परानी अऊ अगुवामन के आघू म एक नवां गीत गावत रह्य। ओ 144,000 मनखे, जऊन मन ला धरती म ले दाम देके छोंड़ाय गे रहिसि, ओमन के छोंड़, अऊ कोनो ओ गीत ला सीख नई सकनि। 4एमन ओ मनखे रहिनि, जेमन के सारीरकि संबंध माईलोगनमन संग नई रहिसि अऊ ओमन अपन-आप ला सुध रखे रहिनि। अऊ जहिं कहूँ मेढ़ा-पीला ह जाथे; एमन ओकर पाछू-पाछू चलथें। एमन ला मनखेमन ले बसोय गे रहिसि अऊ एमन ला परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला करा पहली फर के रूप म चघाय गे रहिसि। 5एमन कभू लबारी नई मारनि; एमन म कोनो किसिम के दोस नई ए।

तीन स्वरगदूत

6तब मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला अकास म उड़त देखेंव। ओकर करा धरती के जम्मो देस, जात अऊ भासा के मनखेमन ला सुनाय बर एक सदाकाल के सुघर संदेस रह्य। 7ओह ऊंचहा अवाज म कहसि, “परमेसर के भय मानव अऊ ओकर महिमा करव, काबरकी ओकर नयाय करे के बेरा ह आ गे हवय। जऊन ह स्वरग, धरती, समुंदर अऊ पानी के सोतमन ला बनाईस, ओकर अराधना करव।”

8एकर बाद एक दूसरा स्वरगदूत आईस अऊ कहसि, “सतयिनास हो गीस। बड़े सहर बाबूल के सतयिनास हो गीस, जऊन ह अपन छिनारीपन के तीखा मंद जम्मो देस के मनखेमन ला पीयाय रहिसि।”

9एकर बाद, एक तीसरा स्वरगदूत आईस अऊ ऊंचहा अवाज म कहसि, “कहूँ कोनो ओ पसु या ओकर मूरती के पूजा करथे अऊ अपन माथा म या अपन हांथ म ओ पसु के छाप ला लेथे, 10त ओला घलो परमेसर के कोरोध रूपी मंद ला पीये पड़ही, जऊन ला ओकर कोरोध रूपी कटोरा म पूरा बल सहति ढारे गे हवय। ओह पबतिर स्वरगदूतमन के अऊ मेढ़ा-पीला के आघू म आगी अऊ गंधक के पीरा ला भोगही। 11जऊन मन

ओ पसु अऊ ओकर मूरती के पूजा करथें या ओकर नांव के छाप ला लेथें, ओमन के पीरा के धुआं ह जुग-जुग तक उठते रहिही; अऊ ओमन ला रात अऊ दिन कभू चैन नई मलिही।” 12एकर खातरि, ओ पबतिर मनखेमन ला धीरज के जरूरत हवय, जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें अऊ यीसू म अपन बसिवास ला बनाय रखथें।

13तब मेंह स्वरग ले एक अवाज सुनेंव, जऊन ह मोला ए कहत रह्य, “लखि! धइन एं ओ मनखेमन, जऊन मन अब ले परभू म बसिवास करत मरथें।”

पबतिर आतमा ह कहथि, “वास्तव म, ओमन धइन अंय। ओमन अपन महिनत के बाद अराम पाहीं, काबरकी ओमन के भलाई के काममन ओमन के संग जाही।”

धरती के फसल

14तब मोला उहां एक सफेद बादर दखिसि अऊ ओ बादर ऊपर मनखे के बेटा सहीं कोनो बईठे रह्य। ओकर मुड़ी म सोन के मुकुट अऊ ओकर हांथ म धारदार हंसिया रह्य। 15तब एक आने स्वरगदूत मंदिर म ले नकिरसि अऊ ऊंचहा अवाज म बादर ऊपर बईठे मनखे ला कहसि, “अपन हंसिया ला ले अऊ लुवई कर, काबरकी लुवई के बेरा आ गे हवय, अऊ धरती के फसल ह पक चुके हवय।” 16तब जऊन ह बादर ऊपर बईठे रहिसि, ओह अपन हंसिया ला धरती ऊपर चलाईस, अऊ धरती के फसल ह लुवा गे।

17तब एक अऊ स्वरगदूत स्वरग के मंदिर म ले नकिरसि, अऊ ओकर करा घलो एक धारदार हंसिया रह्य। 18तब एक अऊ स्वरगदूत, जऊन ला आगी ऊपर अधिकार दयि गे रहिसि, बेदी म ले आईस अऊ ऊंचहा अवाज म ओ स्वरगदूत ला कहसि, जेकर करा धारदार हंसिया रह्य, “अपन हंसिया ला ले अऊ धरती के अंगूर के नार के गुच्छामन ला काट अऊ अंगूर ला संकेल ले, काबरकी ओकर अंगूरमन पाक गे हवय।” 19तब ओ स्वरगदूत ह अपन हंसिया ला धरती के अंगूर के नारमन म चलाईस अऊ अंगूर ला

संकलसि अऊ ओला परमेसर के कोरोध रूपी अंगूर के बड़े कुन्ड म झोंक दीस। 20ओमन ला सहर के बाहरि अंगूर के कुन्ड म कुचरे गीस अऊ ओ कुन्ड ले जऊन लहू नकिरसि, ओह करीब पांच फुट ऊंच होके तीन सौ किलोमीटर तक बोलाईस।

सात स्वरगदूत अऊ सात महामारी

15 तब मेंह अकास म एक ठन अऊ महान अऊ अद्भूत चनिहों देखेंवः सात स्वरगदूत सात ठन महामारी ला धरे रहेंय। एमन आखरी बपित्ती अंय, काबरका एकर बाद परमेसर के कोरोध ह पूरा हो जाही। 2अऊ मेंह अइसने चीज देखेंव, जऊन ह आगी म मल्लि कांच के एक समुंदर सहीं दखित रहय अऊ ओ कांच के समुंदर के तीर म ओ मनखेमन ठाढ़े रहिनि, जऊन मन ओ पसु अऊ ओकर मूर्ती अऊ ओकर नांव के संख्या ऊपर जय पाय रहिनि। ओमन परमेसर के दुवारा दयि गय बीनामन ला धरे रहेंय। 3अऊ ओमन परमेसर के सेवक मूसा के गीत अऊ मेढ़ा-पीला के ए गीत गावत रहेंयः

“हे सर्वसक्तमान परभू परमेसर!
तोर काम महान अऊ अद्भूत ए।

हे जुग-जुग के राजा!

तोर रसता ह सही अऊ सच्चा ए।

4हे परभू! जम्मो इन तोर भय मानहीं,

अऊ तोर नांव के महिमा करहीं।

काबरका तेंहीच ह पबतिर अस।

जम्मो देस के मनखेमन आहीं

अऊ तोर अराधना करहीं,

काबरका तोर धरमी काममन ह परगट हो
गे हवेंय।”

5एकर बाद मेंह देखेंव की स्वरग म गवाही के तम्बू के मंदिर ह खुल गीस।

6अऊ ओ मंदिर म ले सात स्वरगदूत नकिरनि, जेमन करा सात ठन महामारी रहय। ओ स्वरगदूतमन साफ अऊ चमकत सन के कपड़ा पहिर रहेंय अऊ ओमन के छाती म सोन के पट्टा बंधाय रहय। 7तब ओ चार जीयत परानी म ले एक इन ओ सातों स्वरगदूतमन ला सात ठन सोन के

कटोरा दीस, जऊन म जुग-जुग तक जीयत रहइया परमेसर के कोरोध भराय रहय 8अऊ परमेसर के महिमा अऊ ओकर सामरथ के कारन मंदिर ह धुआं ले भर गीस अऊ कोनो ओ मंदिर भीतर नई जा सकनि, जब तक की ओ सात स्वरगदूतमन के सात महामारीमन पूरा नई हो गीन।

परमेसर के कोरोध के सात ठन कटोरा

16 तब मंदिर म ले मोला एक ऊंचहा अवाज सुनई पड़सि, जऊन ह सातों स्वरगदूतमन ले ए कहत रहय, “जावव, अऊ परमेसर के कोरोध के सातों कटोरा ला धरती ऊपर उंडेर देवव।”

2पहिला स्वरगदूत ह गीस अऊ धरती ऊपर अपन कटोरा ला उंडेर दीस। जऊन मनखेमन ऊपर पसु के छाप लगे रहिसि अऊ जऊन मन ओकर मूर्ती के पूजा करे रहिनि, ओमन के ऊपर घनौना अऊ पीरा देवइया फोड़ा नकिर आईस।

3दूसरा स्वरगदूत ह समुंदर ऊपर अपन कटोरा ला उंडेरसि अऊ समुंदर के पानी ह मरे मनखे के लहू सहीं हो गीस अऊ समुंदर के जम्मो जीव मर गीन।

4तीसरा स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला नदिया अऊ पानी के सोता मन ऊपर उंडेरसि अऊ ओमन के पानी ह लहू बन गीस। 5तब मेंह ओ स्वरगदूत, जेकर करा पानी के ऊपर अधिकार रहिसि, ए कहत सुनेंवः

“हे परम पबतिर! तेंह जीयत हवस अऊ
तेंह हमेसा जीयत रहय;
तेंह नियाय करे म धरमी अस,
काबरका तेंह अइसने नियाय करे
हवस।

6मनखेमन तोर पबतिर मनखे अऊ

अगमजानीमन के लहू बहाय हवेंय,
अऊ तेंह ओमन ला पीये बर लहू दे
हवस,

काबरका ओमन एकरे लइक अंय।”

7अऊ बेदी ला मेंह ए कहत सुनेंवः

“हव, हे सर्वसक्तमान परभू परमेसर,

तोर नियाय ह सच्चा अऊ सही अय।”

8तब चौथा स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला सूरज ऊपर उंडेरिस, अऊ सूरज ला मनखेमन ला आगी ले लेसे के अनुमती दयि गीस। 9मनखेमन भारी गरमी ले लेसा गीन अऊ ओमन परमेसर के नांव ला सराप दीन, जऊन ह कए महामारी ऊपर अधिकार रखथे, पर ओमन पछताप नई करनि अऊ परमेसर के महिमा करे नई चाहनि।

10तब पांचवां स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला पसु के सधिसन ऊपर उंडेरिस, अऊ पसु के राज म अंधियार छा गीस। मनखेमन पीरा के मारे अपन जीभ चबाय लगनि, 11अऊ अपन पीरा अऊ फोड़ामन के कारन स्वरग के परमेसर ला सराप देय लगनि, पर ओमन अपन कुकरम खातरि पछताप नई करनि।

12तब छठवां स्वरगदूत ह अपन कटोरा ला महान नदी फरात ऊपर उंडेरिस। नदी के पानी ह सूखा गीस, तार्का पूरब दगि ले अवइया राजामन बर रसता बन जावय। 13तब मेंह सांप सही पसु के मुहू ले, अऊ ओ पसु के मुहू ले अऊ लबरा अगमजानी के मुहू ले तीन असुध आतमामन ला नकिरत देखेव। ए असुध आतमामन मेचका के रूप म रहय। 14एमन दुसूट आतमा अंय, जऊन मन चमतकार देखाथें। एमन जम्मो संसार के राजामन करा जाथें अऊ ओमन ला ओ लड़ई बर संकलथें, जऊन ह सर्वसक्तमान परमेसर के महान दिन म होही।

15देख! मेंह एक चोर के सही आवत हंव। धइन ए ओह, जऊन ह जागत रहथि, अऊ अपन कपड़ा ला पहिर रहथि, तार्का ओह नंगरा झन गजिरय, अऊ मनखेमन के आघू म ओकर बेजत्ती झन होवय।

16तब आतमामन राजामन ला ओ ठऊर म संकेलनि, जऊन ला इबरानी भासा म हरमगदिन कहे जाथे।

17तब सातवां स्वरगदूत ह हवा म अपन कटोरा ला उंडेरिस, अऊ मंदिर के सधिसन म ले एक ऊंचहा अवाज आईस, जऊन ह ए

कहत रहिसि, “पूरा हो गीस।” 18तब बजिली के चमक, अवाज, बादर के गरजन अऊ भारी भुइंडोल होईस। अइसने भारी भुइंडोल मनखे के गढ़े जाय के समय ले अब तक कभू नई होय रहिसि। 19बड़े सहर के तीन भाग हो गीस अऊ देसमन के सहरमन नास हो गीन। परमेसर ह बड़े सहर बाबूल ला सुरता करिसि अऊ ओला अपन भयंकर कोरोध ले भरे मंद के कटोरा ला पीये बर दीस। 20जम्मो टापू अऊ पहाड़ मन गायब हो गीन। 21अकास ले करीब पचास-पचास किलो के बड़े-बड़े करा मनखेमन ऊपर गरिसि, अऊ ए करा के महामारी के कारन मनखेमन परमेसर ला सराप दीन, काबरका ए महामारी ह बहुंत भयंकर रहिसि।

बहुंत खराप बेस्या

17 तब जऊन सात स्वरगदूतमन सात ठन कटोरा धरे रहनि, ओम के एक झन मोर करा आईस अऊ कहसि, “आ, मेंह तोला ओ बड़े बेस्या के दंड ला देखाहूँ, जऊन ह कतको पानीमन ऊपर बईठे हवय। 2ओकर संग धरती के राजामन छिनारी करे हवय अऊ धरती के मनखेमन ओकर छिनारीपन के मंद ला पीके मतवाला हो गे हवय।”

3तब ओ स्वरगदूत ह मोला आतमा म एक ठन सुनसान जगह म ले गीस। उहां मेंह एक झन माईलोगन ला लाल रंग के एक पसु ऊपर बईठे देखेव। पसु के जम्मो देहें म खराप नांवमन लिखाय रहय, अऊ ओकर सात ठन मुड़ी अऊ दस ठन सगि रहय। 4ओ माईलोगन ह बैजनी अऊ लाल रंग के कपड़ा पहिर रहय अऊ सोन, कीमती पथरा अऊ मोती मन ले सजे रहय। ओह अपन हांथ म एक ठन सोन के कटोरा धरे रहय। ओ कटोरा ह घनि-घनि चीज अऊ ओकर छिनारीपन के गंदगी ले भरे रहय। 5अऊ ओकर माथा म एक भेद के नांव लिखाय रहय:

महान बाबूल,
धरती के बेस्यामन के
अऊ घनि-घनि चीजमन के दाई।

6मेंह देखेंव की ओ माईलोगन ह पबतिर मनखेमन के लहू अऊ यीसू के बसिवास लइक गवाहमन के लहू ला पीके माते हवय। जब मेंह ओला देखेंव, त बहुंत अचरज म पड़ गेव। 7तब स्वरगदूत ह मोला कहसि, “तेंह काबर अचम्भो करत हवस? मेंह तोला ओ माईलोगन के भेद ला बताहूँ अऊ ओ पसु के भेद ला घलो बताहूँ, जेकर ऊपर ओ माईलोगन ह सवारी करे हवय अऊ जेकर सात ठन मुड़ी अऊ दस ठन सगि हवय। 8जऊन पसु ला तेंह देखे, ओह पहिली रहिसि, पर अब नई ए; ओह अथाह कुन्ड ले नकिरके आही अऊ ओह नास हो जाही। धरती के ओ मनखेमन, जेकर नांव संसार के रचे के समय ले जनिगी के कतिब म नई लिखे हवय, ओमन पसु ला देखके अचम्भो करहीं, काबरकी ओह पहिली रहिसि, पर अब नई ए, पर ओह फेर आही।”

9एला समझे बर बुद्धी के जरूरत हवय। ओ सात ठन मुड़ीमन सात ठन पहाड़ अंय, जेकर ऊपर ओ माईलोगन ह बईठे हवय। 10ओमन सात झन राजा घलो अंय। ओम ले पांच झन गरि गे हवंय; एक झन अभी राज करत हवय, अऊ दूसर ह अभी तक नई आय हवय; पर जब ओह आही, त थोरकन समय तक राज करही। 11ओ पसु जऊन ह पहिली रहिसि, पर अब नई ए, ओह आठवां राजा ए। असल म, ओह ओ सातों म ले अय अऊ ओह नास हो जाही।

12जऊन दस ठन सगि तेंह देखे, ओमन दस राजा अंय। ओमन ला अभी तक राज नई मलि हवय, पर ओमन ला एक घंटा बर पसु के संग म राजामन सहीं अधिकार मलिही। 13ओमन के एकेच उदेसूय हवय अऊ ओमन अपन सक्ती अऊ अधिकार पसु ला दे दीहीं। 14ओमन मेढ़ा-पीला के बरिध म लड़ई करहीं, पर मेढ़ा-पीला ह ओमन ऊपर जय पाही, काबरकी ओह परभूमन के परभू अऊ राजामन के राजा ए, अऊ जऊन मन ओकर संग रहिहीं, ओमन बलाय गे हवंय अऊ चुने गे हवंय अऊ ओमन बसिवास लइक अंय।

15तब स्वरगदूत ह मोला कहसि, “जऊन

पानी ला तेंह देखे, जहिं ओ बेसूया ह बईठे हवय, ओ पानी ह मनखेमन के भीड़, देस अऊ भासा मन अय। 16जऊन पसु अऊ दस सगिमन ला तेंह देखे, ओमन ओ बेसूया ले घनि करहीं। ओमन ओला नंगरी करके अकेला छोड़ दीहीं। ओमन ओकर मांस ला खाहीं अऊ ओला आगी म जला दीहीं। 17काबरकी परमेसर ह ओमन के मन म ए बात ला डाले हवय की ओमन ओकर उदेसूय ला पूरा करंय अऊ जब तक परमेसर के बचन ह पूरा नई हो जावय, तब तक ओमन एक मत होके अपन राज करे के अधिकार ला ओ पसु ला दे देवंय। 18जऊन माईलोगन ला तेंह देखे, ओह ओ महान सहर ए, जऊन ह धरती के राजामन ऊपर राज करथे।”

बाबूल सहर के बनिास

18 एकर बाद मेंह एक अऊ स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेंव। ओकर करा बड़े अधिकार रहिसि अऊ धरती ह ओकर सोभा ले जगमगा गीस। 2ओह ऊंचहा अवाज म चर्चियाके कहसि,

“नास हो गे! बड़े सहर बाबूल ह नास हो गे!

ओह भूतमन के अऊ जम्मो दुस्त आतमासन के
अऊ जम्मो असुध अऊ घनि-घनि
चरिईमन के डेरा हो गे हवय।

3काबरकी जम्मो देस के मनखेमन ओकर छिनारीपन के मंद ला पीये हवंय।
धरती के राजामन ओकर संग छिनारी करनि
अऊ धरती के बेपारीमन ओकर बिलासिता के धन ले धनवान हो गे हवंय।”

4तब मेंह स्वरग ले एक अऊ अवाज सुनेव, जऊन ह ए कहत रहय:

“हे मोर मनखेमन, ओ सहर म ले नकिर आवव,
तार्की तुमन ओकर पाप के भागी झन होवव

अऊ ओकर कोनो बपित्ती तुम्हर
ऊपर झन पड़य।

5 काबरका ओकर पाप के घघरी ह भर गे
हवय,

अऊ परमेसर ह ओकर अपराध ला
सुरता करे हवय।

6 ओकर संग वइसने करव,

जइसने ओह तुम्हर संग करे हवय।
ओकर कुकरम के दू गुना बदला
चुकावव।

जऊन कटोरा म ओह भरे हवय,
ओ कटोरा म ओकर बर दू गुना भर
देवव।

7 ओह जतेक डींग मारे हवय अऊ जतेक
भोग-बलास करे हवय,
ओला ओतके दुःख अऊ तकलीफ
देवव।

ओह अपन मन म कहथि,
‘मेह रानी सहीं बईठथंव;
मेंह बधिवा नो हंव, अऊ मेंह कभू
दुःख नइ मनाहूं।’

8 एकरसेती एकेच दनि म ओकर ऊपर
मरितू,
सोक अऊ अकाल के बपित्ती आ
पड़ही।

ओह आगी म भसम हो जाही।
काबरका जऊन ह ओकर नयाय
करथे, ओह सर्वसक्तमान परभू
परमेसर ए।

9 धरती के जऊन राजामन ओकर संग
छिनारी अऊ भोग-बलास करनि, ओमन
जब ओकर जरे के धुआं ला देखहीं, त ओमन
रोहीं अऊ ओकर बर सोक मनाहीं। 10 ओमन
ओकर पीरा ले डरके दूरहा म ठाढ़ होहीं
अऊ ए कहहीं,

‘हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
हे बाबूल, सक्तसाली सहर! एकेच
घंटा म तोला तोर दंड मलि गीस।’

11 धरती के बेपारीमन ओकर बर रोहीं
अऊ कलपहीं, काबरका अब कोनो ओमन
के ए मालमन ला नइ बसोही— 12 सोना,

चांदी, कीमती पथरा, मोती; सुन्दर मलमल,
बैजनी, रसमी अऊ लाल कपड़ा; जम्मो
कसिम के महकत कठवा, अऊ हाथी दांत,
कीमती कठवा, पीतल, लोहा अऊ संगमरमर
के जम्मो कसिम के चीज; 13 अऊ दालचीनी,
मसाला, धूप, इतर, लोबान, मंद, तेल, आंटा
अऊ गहू; बड़ला अऊ मेढ़ा-मेढ़ी, घोड़ा अऊ
रथ, अऊ गुलाम अऊ मनखेमन के जीव।

14 बेपारीमन ओला कहहीं, ‘जऊन फर के
लालसा तेंह करत रहय, ओह तोर ले दूरहा
हो गे हवय। तोर जम्मो धन-संपत्ति अऊ
तड़क-भड़क खतम हो गीस, अऊ ओह तोला
फेर कभू नइ मलिय।’ 15 जऊन बेपारीमन
ए चीजमन ला बेचके बाबूल सहर ले धन
कमाय रहिनि, ओमन ओकर पीरा ले डरके
दूरहा म ठाढ़ होहीं। ओमन रोहीं अऊ सोक
मनाहीं; 16 अऊ ए कहहीं:

‘हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
तेंह सुन्दर मलमल, बैजनी अऊ लाल
कपड़ा पहिर रहय
अऊ सोन, कीमती पथरा अऊ मोती ले
सजे रहय!

17 एकेच घंटा म ए जम्मो धन ह नास हो
गीस!’

पानी जहाज के हर कप्तान, पानी जहाज
म हर यातरा करइया, हर डोंगा खेवइया
अऊ हर ओ मनखे, जऊन ह समुंदर ले अपन
जनिगी चलाथे, ए जम्मो के जम्मो दूरहा
म ठाढ़ रहहीं। 18 जब ओमन ओकर जरे
के धुआं ला देखहीं, त ओमन चचियाके
कहहीं, ‘का ए महान सहर सहीं कभू कोनो
सहर रहिसि?’ 19 ओमन अपन मुड़ी ऊपर
धूरा ला डारहीं, अऊ रोवत अऊ कलपत
ओमन चचिया-चचियाके कहहीं:

‘हे महान सहर! हाय! तोर ऊपर हाय!
एह ओ सहर ए,
जेकर धन के जरथि समुंदर के जम्मो
जहाज के मालकिमन धनी हो
गीन।

एकेच घंटा म, ओह नास हो गीस।’

20 हे स्वरग म रहइयामन अऊ पबतिर
मनखे अऊ प्रेरति अऊ
अगमजानीमन!
ओकर बनिास ऊपर आनंद मनावव।
ओह तुम्हर संग जइसने बरताव करे
रहिसि,
परमेसर ह ओला ओकर सजा दे हवय।”

21 तब एक सक्तिसाली स्वरगदूत ह
चक्की के एक बड़े पाट सहीं पथरा ला
उठाईस अऊ ए कहत ओला समुंदर म
फटकि दीस:

“महान सहर बाबूल ह अइसने बेरहमी ले
फटकि दयि जाही,
अऊ ओकर फेर कभू पता नई चलही।

22 बीना बजइया, अऊ संगीतकार,
बांसुरी बजइया अऊ तुरही बजइया मन
के अवाज,

ए सहर म फेर कभू सुनई नई पड़ही।
कोनो काम के कोनो घलो
कारीगर,

ए सहर म फेर कभू नई मलिही।

चक्की चले के अवाज,

ए सहर म फेर कभू सुनई नई पड़ही।

23 दीया के अंजोर, ए सहर म फेर कभू नई
चमकही।

दूल्हा अऊ दुल्हनि के अवाज,

ए सहर म फेर कभू सुनई नई पड़ही।

ए सहर के बेपारीमन संसार के बड़े
मनखे रहिनि।

ए सहर ह अपन जादू के दुवारा जम्मो
देस के मनखेमन ला बहकाय
रहिसि।

24 ए सहर म अगमजानी अऊ पबतिर मनखे
मन के लहू पाय गीस,
अऊ धरती ऊपर जऊन मनखेमन मार
डारे गीन, ओमन के लहू घलो ए
सहर म पाय गीस।”

स्वरग म इसतुर्ता के गीत

19 एकर बाद मेंह स्वरग म, एक बड़े
भीड़ के गरजन सहीं अवाज सुनेव,
जऊन ह चचियाके ए कहत रहय:

“हललियाह!

उद्धार, महिमा अऊ सामरथ हमर
परमेसर के अया,

2 काबरकी ओकर नयाय सच्चा अऊ
सही अय।

ओह ओ बड़े बेस्या ला दंड दे हवय,
जऊन ह अपन छिनारीपन ले धरती के
मनखेमन ला खराप करत रहिसि।
परमेसर ह ओकर ले अपन सेवकमन के
लहू के बदला ले हवय।”

3 ओमन फेर चचियाके कहनि:

“हललियाह!

ओ बड़े सहर के जरे के धुआं जुग-जुग
तक उठत रहथि।”

4 चौबीस अगुवा अऊ चारों जीयत
परानीमन माड़ी के भार गरिनि अऊ ओमन
ए कहत संधासन ऊपर बरिजे परमेसर के
अराधना करनि। अऊ ओमन ऊंचहा अवाज
म कहनि:

“आमीन, हललियाहम!”

5 तब संधासन ले ए कहत एक अवाज
आईस:

“तुमन जम्मो परमेसर के सेवकमन,

अऊ छोटे बड़े तुमन, जऊन मन ओकर
भय मानथव,

हमर परमेसर के परसंसा करव।”

6 तब मेंह एक बड़े भीड़ के अवाज ला
सुनेव, जऊन ह पानी के लहरामन सहीं अऊ
बादर के बड़े गरजन सहीं रहय; भीड़ ह
चचियाके ए कहत रहय:

“हललियाह!

काबरकी हमर सर्वसक्तमान परभू
परमेसर ह राज करत हवय।

7 आवव! हमन आनंद अऊ खुसी मनावन,
अऊ परमेसर के महिमा करन।

काबरकी मेढ़ा-पीला के बहिाव के बेरा ह
आ गे हवय,
अऊ ओकर दुल्हनि ह अपन-आप ला
तयार कर ले हवय।

8 सुघर, चमकत अऊ साफ मलमल के
कपड़ा,
ओला पहिरि बर दयि गे हवय।”

(सुघर मलमल कपड़ा ह पबतिर मनखेमन के
धरमी काम के चनिहां ए।)

9 तब स्वरगदूत ह मोला कहसि, “एला
लखि: ‘धइन अंय ओमन, जऊन मन मेढ़ा-
पीला के बहिाव-भोज के नेवता पाथें।’ ”
अऊ स्वरगदूत ह ए घलो कहसि, “एमन
परमेसर के सत बचन अंय।”

10 तब मेंह ओकर अराधना करे बर ओकर
गोड़ खाल्हे गरिव। पर ओह मोला कहसि,
“अइसने झन कर। मेंह घलो तोर अऊ तोर
ओ भाईमन संग एक संगी सेवक अंव,
जऊन मन यीसू के गवाही रखथें। परमेसर के
अराधना कर। काबरकी यीसू के गवाही ह
अगमबानी के आतमा ए।”

सफेद घोड़ा ऊपर सवार मनखे

11 तब मेंह स्वरग ला खुले हुए देखेंव अऊ
उहां एक सफेद घोड़ा रहय, अऊ जऊन ह
ओ घोड़ा ऊपर सवारी करे रहय, ओला
बसिवास लइक अऊ सच कहे जाथे। ओह
धरमीपन के संग नियाय करथे अऊ लड़ई
करथे। 12 ओकर आंखीमन आगी सहीं
धधकत रहय, अऊ ओकर मुड़ी म कतको
मुकुट रहंय। ओकर देहें म एक नांव लिखाय
रहय, जऊन ला ओकर छोंड़ अऊ कोनो नइ
जानंय। 13 ओह लहू म डुबोय कपड़ा पहिरि
रहय, अऊ ओकर नांव परमेसर के बचन
ए। 14 स्वरग के सेनामन सुघर, सफेद अऊ
साफ मलमल के कपड़ा पहिरि अऊ सफेद
घोड़ामन म सवार होके ओकर पाछू-पाछू
आवत रहंय। 15 ओकर मुहू ले एक धारदार
तलवार नकिरत रहय, जेकर दुवारा ओह
देस-देस के मनखेमन ला मारही। ओह लोहा
के राजदंड ले ओमन ऊपर राज करही। ओह
सर्वसकृतिमान परमेसर के भयानक कोरोध

रूपी मंद के कुन्ड ला रौंदही। 16 ओकर
कपड़ा अऊ ओकर जांघ म ए नांव लिखाय
रहय:

“राजामन के राजा अऊ परभूमन के परभू।”

17 तब मेंह एक स्वरगदूत ला सूरज ऊपर
ठाढ़े देखेंव। ओह ऊंचहा अवाज म अकास
मंडल म उड़त जम्मो चरिईमन ला पुकारके
कहसि, “आवव! परमेसर के बड़े भोज म
सामिल होय बर जूरव, 18 तार्का तुमन राजा,
सेनापति, सक्तीसाली मनखे, घोड़ा अऊ
ओकर सवारमन के मांस, अऊ सुतंतर अऊ
गुलाम, छोटे अऊ बड़े जम्मो झन के मांस
खा सकव।”

19 तब मेंह देखेंव की ओ पसु अऊ धरती
के राजामन अपन सेनामन संग, ओ घुड़सवार
अऊ ओकर सेना ले लड़े बर जुरे रहंय। 20 पर
ओ पसु ह पकड़े गीस अऊ ओकर संग ओ
लबरा अगमजानी घलो पकड़े गीस, जऊन ह
पसु के आधू म अचरज के चनिहां देखाके,
ओ मनखेमन ला बहकाय रहिसि, जऊन मन
ओ पसु के छाप लेय रहिनि अऊ ओकर
मूर्ती के पूजा करे रहिनि। ओ दूनों जीयते-
जीयत धधकत गंधक के आगी के कुन्ड म
झोंक दयि गीन। 21 ओम के बांचे मनखेमन
घुड़सवार के मुहू ले नकिरे तलवार ले मारे
गीन, अऊ जम्मो चरिईमन ओमन के मांस
खाके अघा गीन।

एक हजार साल

20 तब मेंह एक स्वरगदूत ला स्वरग
ले उतरत देखेंव। ओह अपन हांथ
म अथाह कुन्ड के कुची अऊ एक बड़े सांकर
धरे रहय। 2 ओह ओ सांप सहीं पसु याने की
पुराना सांप ला पकड़िसि, जऊन ह इबलीस
या सैतान ए अऊ ओला एक हजार साल बर
सांकर म बांध दीस। 3 स्वरगदूत ह ओला
अथाह कुन्ड म डार दीस अऊ ओम ताला
लगाके ओकर ऊपर मुहर लगा दीस, तार्का
ओ पुराना सांप ह एक हजार साल के पूरा
होवत तक, देसमन के मनखेमन ला बहकाय
झन सकय। ओकर बाद, ए जरूरी अय की
ओला थोरकन समय बर छोंड़े जावय।

4तब मेंह संधासनमन ला देखेंव, जऊन म ओ मनखेमन बईठे रहंय, जऊन मन ला नयाय करे के अधिकार देय गे रहिसि। मेंह ओ मनखेमन के आतमामन ला घलो देखेंव, जेमन के मुड़ी ला यीसू के गवाही देय के कारन अऊ परमेसर के बचन म बने रहे के कारन काट डारे गे रहिसि। ओमन पसु या ओकर मूर्ती के अराधना नई करे रहिन अऊ ओमन अपन माथा या अपन हांथ म ओकर छाप नई लेय रहिन। ओमन जी उठनि अऊ मसीह के संग म एक हजार साल तक राज करनि। 5बाक मरे मनखेमन एक हजार साल के पूरा होवत तक जी नई उठनि। एह मरे मनखेमन के पहिली जी उठई अय। 6धइन अऊ पबतिर अंय ओ मनखेमन, जऊन मन ए पहिली जी उठई म भागीदार होथें। एमन ऊपर दूसरा मरितू के कोनो अधिकार नई रहय। एमन परमेसर अऊ मसीह के पुरोहित होहीं अऊ ओकर संग एक हजार साल तक राज करहीं।

सैतान के बनिास

7जब एक हजार साल पूरा हो जाही, त सैतान ला कैद ले छोड़ दयि जाही। 8अऊ ओह धरती के जम्मो देस के मनखेमन ला बहकाय बर नकिरही; ए देसमन याजूज अऊ माजूज अंय। सैतान ह ओमन ला लड़ई बर संकेलही। ओमन समुंदर तीर के बालू सहीं अनगनित होहीं। 9ओमन जम्मो धरती ऊपर बगर गीन। ओमन पबतिर मनखेमन के सविरि अऊ परमेसर के मयारू सहर ला घेर लीन, पर स्वरग ले आगी उतरसि अऊ ओमन ला भसम कर दीस। 10तब ओमन ला बहकवइया सैतान ला आगी अऊ गंधक के कुन्ड म डार दयि गीस, जहिं ओ पसु अऊ लबरा अगमजानी ला डारे गे रहिसि। ओमन सदाकाल तक दनि-रात पीरा भोगहीं।

मरे मनखेमन के नयाय

11तब मेंह एक बड़े सफेद संधासन अऊ ओकर ऊपर बरिजे एक मनखे ला देखेंव। धरती अऊ अकास ओकर आघू ले भाग गीन अऊ ओमन बर कोनो जगह नई बंचसि।

12अऊ मेंह छोटे-बड़े जम्मो मरे मनखेमन ला संधासन के आघू म ठाढ़े देखेंव, अऊ कतिाबमन खोले गीन। तब एक आने कतिाब खोले गीस, जऊन ह जनिगी के कतिाब ए। कतिाबमन म लिखाय मरे मनखेमन के काम के मुताबिक ओमन के नयाय करे गीस। 13तब समुंदर ह अपन मरे मनखेमन ला दे दीस। मरितू अऊ पताल-लोक अपन मरे मनखेमन ला दे दीन, अऊ हर एक के नयाय ओकर काम के मुताबिक करे गीस। 14तब मरितू अऊ पताल-लोक ला आगी के कुन्ड म डार दयि गीस। आगी के कुन्ड ह दूसरा मरितू ए। 15जेमन के नांव जनिगी के कतिाब म लिखाय नई मलिसि, ओमन आगी के कुन्ड म डार दयि गीन।

नवां यरूसलेम

21 तब मेंह एक नवां अकास अऊ एक नवां धरती देखेंव। पहिली अकास अऊ पहिली धरती दूनों लोप हो गे रहिन, अऊ कोनो समुंदर घलो नई रहिसि। 2अऊ मेंह पबतिर सहर नवां यरूसलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन घरवाला खातिर दुल्हन के सहीं सुघर सजे रहय। 3अऊ मेंह संधासन ले ऊंचहा अवाज म, ए कहत सुनेंव, “देखव! अब परमेसर के नवांस मनखेमन के बीच हवय, अऊ ओह ओमन के संग रहहीं। ओमन ओकर मनखे होहीं, अऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहहीं। 4ओह ओमन के आंखी के जम्मो आंसू ला पोंछही। उहां न मरितू होही, न कोनो सोक मनाही या रोही, अऊ न ही कोनो ला कोनो किसिम के पीरा होही, काबरका पुराना बातमन खतम हो गे हवंय।”

5जऊन ह संधासन म बरिजे रहिसि ओह कहसि, “मेंह हर एक चीज ला नवां बनावत हवंव।” तब ओह कहसि, “एला लिख ले, काबरका ए बात ह बसिवास लइक अऊ सत ए।”

6ओह मोला कहसि, “एह पूरा होईस। मेंह अलफा अऊ ओमेगा, आर्दी अऊ अंत अंव।

जऊन ह पयासा हवय, ओला मेंह जनिगी के पानी के सोता म ले मुफ्त म पीये बर दूहू। 7जऊन ह जय पाही, ओला ए जम्मो चीज मलिही, अऊ मेंह ओकर परमेसर होहू, अऊ ओह मोर बेटा होही। 8पर डरपोक, अबसिवासी, दुसट, हतयारा, छिनारी करइया, जादू-टोनहा करइया, मूरती पूजा करइया अऊ जम्मो लबरामन ओ कुन्ड म जगह पाहीं, जऊन ह आगी अऊ गंधक ले धधकत हवय। एह दूसरा मरितू ए।”

9तब ओ सात स्वरगदूतमन, जेमन करा सात ठन आखरि महामारी ले भरे सात ठन कटोरा रहय, ओम ले एक झन मोर करा आईस अऊ कहसि, “आ, मेंह तोला दुल्हनि याने कर्मि-पीला के घरवाली ला देखाहू।” 10ओ स्वरगदूत ह आतमा के सामरथ ले मोला एक बड़े अऊ ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस, अऊ ओ पबतिर सहर—यरूसलेम ला देखाईस, जऊन ह स्वरग ले परमेसर के इहां ले उतरत रहय। 11ओह परमेसर के महिमा ले चमकत रहय अऊ ओकर चमक ह एक बहुंत महंगा पथरा—मनी सहीं एकदम साफ रहय। 12ओकर चारों कोर्त एक बड़े अऊ ऊंच दवाल रहय। दवाल म बारह ठन कपाट रहय अऊ एक कपाटमन म बारह झन स्वरगदूत ठाढ़े रह्य। एक कपाटमन म इसरायल के बारह गोत्र के नांव लिखाय रहय—हर कपाट म एक नांव। 13पूरब म तीन, उत्तर म तीन, दक्खिन म तीन अऊ पछिम म तीन कपाट रहिन। 14सहर के दवाल के बारह ठन नींव के पथरा रहय अऊ ओमन म मेढ़ा-पीला के बारह प्रेरतिमन के नांव लिखाय रहय—हर पथरा म एक नांव।

15जऊन स्वरगदूत ह मोर ले गोठियावत रहिसि, ओकर करा सहर, ओकर कपाट अऊ दवाल ला नापे बर नापे के सोन के एक छड़ रहय। 16ओ सहर ह चौखट्टा आकार म बसे रहिसि। ओकर लम्बई ह ओकर चौड़ई के बरोबर रहय। स्वरगदूत ह सहर ला सोन के छड़ म नापसि, त ओह करीब दू हजार दू सौ चालीस किलोमीटर नकिरसि। ओकर लम्बई, चौड़ई अऊ ऊंचई

बरोबर रहिसि। 17ओह सहर के दवाल ला घलो नापसि। स्वरगदूत ह मनखे के नाप के हिसाब म नापसि, अऊ सहर के दवाल के ऊंचई ह करीब 65 मीटर नकिरसि। 18सहर के दवाल ह मनी के बने रहिसि अऊ सहर ह चोखा सोना के बने रहिसि, जऊन ह कांच सहीं सुध रहिसि। 19सहर के दवाल के नींव ह जम्मो कसिम के कीमती पथरा ले सजे रहय। पहिली नींव ह मनी के रहिसि, दूसरा ह नीलम, तीसरा ह सुलेमानी, चौथा ह पन्ना, 20पांचवां ह गोमेदक, छठवां ह मानकिय, सातवां ह पीतमनी, आठवां ह फरिजा, नौवां ह पुखराज, दसवां ह लहसनयि, गयारहवां ह नगीना अऊ बारहवां ह नीलमनी के बने रहिसि। 21बारह कपाटमन बारह मोतीमन ले बने रहिन। एक-एक कपाट ह एक-एक मोती के बने रहिसि। सहर के गली ह आर-पार दखिइया साफ कांच सहीं चोखा सोना के बने रहिसि।

22मेंह सहर म कोनो मंदिर नई देखेव, काबरक सिर्वसकृतिमान परभू परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला एकर मंदिर अंय। 23अऊ सहर ला सूरज या चंदा के अंजोर के जरूरत नई रहिसि, काबरक परमेसर के महिमा ओला अंजोर देवत रहिसि अऊ मेढ़ा-पीला ओकर दीया रहिसि। 24संसार के मनखेमन ओकर अंजोर म रेंगही अऊ संसार के राजामन ओम अपन सोभा लानहीं। 25ओ सहर के कपाटमन कभू बंद नई होही, अऊ उहां कभू रात नई होही। 26जम्मो देस के महिमा अऊ आदर ओम लाने जाही। 27कोनो असुध चीज कभू ओ सहर म घुसरे नई पाही अऊ न ही ओ मनखे, जऊन ह लज्जा के काम करथे या धोखा देवइया काम करथे; पर सरिपि ओमन घुसरे पाहीं, जेमन के नांव मेढ़ा-पीला के जनिगी के कतिब म लिखाय हवय।

जनिगी देवइया पानी के नदिया

22 तब स्वरगदूत ह मोला जनिगी देवइया पानी के नदिया ला देखाईस, जेकर पानी ह इसफटिक के सहीं साफ रहिसि। ओ नदिया ह परमेसर अऊ

मेढ्रा-पीला के संधासन ले सहर के गली के बीचों-बीच बोहावत रहिसि। 2नदिया के दूनों तीर म जनिगी के रूख रहिसि, जऊन म एक साल म बारह किसिम के फर धरय—याने की हर एक महना ओम फर धरय अऊ ओ रूख के पान ले देस-देस के मनखेमन के बेमारी के इलाज होवत रहिसि। 3उहां कोनो किसिम के सराप नई होही। ओ सहर म परमेसर अऊ मेढ्रा-पीला के संधासन होही, अऊ ओकर सेवकमन ओकर अराधना करहीं। 4ओमन ओकर चेहरा ला देखहीं अऊ ओकर नांव ह ओमन के माथा म लिखाय होही। 5उहां कभू रात नई होही। ओमन ला दीया या सूरज के अंजोर के जरूरत नई पड़ही, काबरकी परभू परमेसर ह ओमन के अंजोर होही, अऊ ओमन सदाकाल तक राज करहीं।

6तब स्वरगदूत ह मोला कहसि, “ए बातमन बसिवास लइक अऊ सच अंय। परभू परमेसर जऊन ह अगमजानीमन ला अपन आतमा देथे, ओह अपन स्वरगदूत ला अपन सेवकमन करा ओ बातमन ला देखाय बर पठोय हवय, जऊन ह नकिट भवस्य म होवइया हवय।”

यीसू के अवई

7यीसू ह कहसि, “देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। धइन ए ओ, जऊन ह ए कतिाब के अगम के बातमन ला मानथे।”

8में यूहन्ना ए बातमन ला सुने अऊ देखे हंव। अऊ जब मेंह एमन ला सुन अऊ देख चुकेंव, त जऊन स्वरगदूत ह मोला ए बातमन ला देखाईस, ओकर गोड़ खाल्हे मेंह ओकर अराधना करे बर गरिंव। 9पर ओह मोला कहसि, “अइसने इन कर। मेंह घलो तोर सहीं अऊ तोर भाई अगमजानीमन सहीं अऊ ओ जम्मो इन जऊन मन ए कतिाब के बात ला मानथें, ओमन सहीं एक संगी सेवक अंव। परमेसर के अराधना कर।”

10अऊ ओह मोला फेर कहसि, “तेंह ए कतिाब के अगम के बातमन ला गुपत म इन रख, काबरकी समय ह लकठा आ गे हवय।

11जऊन ह अधरम करथे, ओह अधरम

करते रहय। जऊन ह दुसूट मनखे ए, ओह दुसूट मनखे बने रहय। जऊन ह धरमी ए, ओह भलई करते रहय; अऊ जऊन ह पबतिर ए, ओह पबतिर बने रहय।”

12यीसू ह कहसि, “देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। मेंह अपन इनाम ला अपन संग लेके आहूँ अऊ हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबकि इनाम दूहूँ। 13मेंह अलफा अऊ ओमेगा, पहिली अऊ आखरी, आदी अऊ अंत अंव। 14धइन अंय ओमन, जऊन मन अपन कपड़ा ला धोथें। ओमन ला जनिगी के रूख म ले फर खाय के अधकार अऊ कपाट म ले होके सहर के भीतर जाय के अधकार मलिही। 15पर कुकुर, जादू-टोना करइया, छिनारी करइया, हतियारा, मूर्ती पूजा करइया अऊ लबरा बात अऊ काम करइयामन सहर ले बाहरि रहहीं।”

16में यीसू ह अपन स्वरगदूत ला तुमहर करा पठोय हंवव की ओह कलीसियामन ला ए बात बतावय। मेंह दाऊद राजा के मूल अऊ बंसज अंव, अऊ मेंह बहिनियां के चमकत तारा अंव।

17पबतिर आतमा अऊ दुल्हन कहिथें, “आवव!” अऊ जऊन ह सुनथे, ओह कहय, “आवव!” जऊन ह पयिासा हवय, ओह आवय; अऊ जऊन ह चाहथे, ओह जनिगी के पानी ला बगिर कोनो दाम के ले लेवय।

18में यूहन्ना ओ जम्मो मनखे ला चेतावत हंव, जऊन मन ए कतिाब के अगम के बात ला सुनथें; कहूँ कोनो एम कुछू जोड़ही, त परमेसर ह ए कतिाब म लिखाय महामारीमन ला ओकर ऊपर लानही। 19अऊ कहूँ कोनो अगम के ए कतिाब म ले कुछू बात ला नकारही, त परमेसर ह ए कतिाब म लिखाय जनिगी के रूख अऊ पबतिर सहर म ले ओकर बांटा ला नकार दहीं।

20जऊन ह ए बातमन के गवाही देथे, ओह कहथे, “सही म, मेंह जल्दी आवत हंव।”

आमीन! हे परभू यीसू, आ।

21परभू यीसू के अनुग्रह परमेसर के मनखेमन ऊपर होवय। आमीन।

a 7 “छेदे-बेधे रहिनि” के मतलब मार हारे रहिनि। b 8 यूनानी भासा म “अल्फा” ह पहिली अऊ “ओमेगा” ह आखरी अकछर होथे। c 6 नीकुलईमन ए कहंय कमिनखे के जीव अऊ जनिगी ला कोनो नुकसान नई होवय, यदा ओह कोनो घलो कुकरम करथे तभो ले। d 11 “दूसर मरितू” के मतलब आगी के झील म सदाकाल के दंड अय। देखव 20:6, 14-15 अऊ 21:8 e 5 “यहूदा गोत्र के सहि” अऊ “दाऊद राजा के बंसज”—ए दूनों के मतलब यीसू मसीह अय। f 11 “नागदऊना” एक पौधा ए। एकर पान के रस ह करू रहथि। g 11 “अबद्दोन” अऊ “अपुल्लयोन”—ए दूनों सबद के मतलब नास करइया होथे। h 3 ओ समय म कोनो “टाट पहरिय”, एकर मतलब ए होवय कि ओह कोनो दुःख

या समस्या म रहय। i 19 “करार के संदूक”—ए संदूक म पथरा के दू ठन ओ पटिया रहय, जऊन म परमेसर ह दस हुकूम ला लिखके अपन मनखेमन ला दे रहिसि। j 7 “मीकाएल” ह परमेसर के एक मुखिया स्वरगदूत अय। k 19 “अंगूर के कुन्ड” ह एक खंचवा होथे, जहिं अंगूर ला कुचरके ओकर रस नकारथे अऊ तब मंद बनाथे। l 1 “हललूयाह” इबरानी भासा के सबद ए। एकर मतलब होथे—परमेसर के परसंसा या इसतुता करव। m 4 “आमीन” इबरानी भासा के सबद ए। एकर मतलब होथे—अइसने होवय।